ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -26 | फरवरी - II - 2024 | अंक - 22 | माउण्ट आबू | Rs.-12

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस पर स्मृति स्वरूप बनकर किये सभी ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित

ब्रह्मा बाबा ने जीवन की वास्तविकता का बोध कराया : दादी रतनमोहिनी

विश्व परिवर्तन के कार्य में अहम भूमिका निभाई बाबा ने : ब्र.कु. सुदेश दीदी

इस पुण्य अवसर पर....

विश्व शांति, मानवीय एकता, देश की सुख-समृद्धि के लिए देश-विदेश से आए भाई-बहनों ने सामूहिक रूप से राजयोग का अभ्यास करते हुए विश्व शांति की कामना की।

दिन भर ब्रह्मा बाबा की तपस्यास्थली कुटिया, शांति स्तम्भ, बाबा का कमरा व हिस्ट्री हॉल में सभी ने राजयोग का अभ्यास कर ब्रह्मा बाबा की शिक्षाओं व स्नेह सम्पन्न स्मृतियों से प्रेरणा लेते हुए उनके समान बनने का संकल्प लिया।

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के 55वें पुण्य स्मृति दिवस(अव्यक्त दिवस) पर उनकी स्मृति में बने शांति स्तम्भ पर अलसुबह से ही अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए राजयोगी भाई-बहनों का ताता लगा रहा। इस मौके पर पाण्डव के ओम शांति भवन में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि त्याग, तपस्या व साधना से ब्रह्मा बाबा ने जीवन की वास्तविकता का बोध कराया कि मनोविकृतियों से मुक्ति के लिए हमें निरंतर राजयोग मेडिटेशन करना चाहिए। मेडिटेशन करने से ईश्वर से मिलने वाली शक्ति मन में सकारात्मक ऊर्जा भर देती है। उन्होंने कहा कि विश्व शांति, मानवीय एकता के पुरोधा प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की निःस्वार्थ सेवा की बदौलत आज समूचे विश्व को आसुरी वृत्तियों से मुक्त कराकर शांति स्थापना का कार्य बढ़ रहा है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि सृष्टि के आदिपिता प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने परमपिता शिव के आदेशानुसार विश्व परिवर्तन के कार्य में अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्र.कु. शशिप्रभा दीदी ने कहा कि वैश्विक शांति को तत्पर ब्रह्मा बाबा की दूरदृष्टि से समूचे विश्व में ईश्वरीय सेवाएं समाज के विभिन्न वर्गों को एकता के सूत्र में पिरोने में अहम योगदान दे रही है।

कार्यक्रम में संगठन के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू बहन, मल्टी मीडिया प्रमुख ब्र.कु. करुणा भाई, शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, कला एवं संस्कृति प्रभाग अध्यक्षा ब्र.कु. चन्द्रिका बहन, ज्ञान सरोवर निदेशिका ब्र.कु. प्रभा बहन, इंदौर ज़ोन संचालिका ब्र.कु. हेमा बहन व अन्य वरिष्ठ राजयोगी भाई-बहनें मौजूद रहे एवं ब्रह्मा बाबा की स्मृतियों को ताज़ा करते हुए अपने भाव प्रकट किये।

स्मृति दिवस पर ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म 'नवसृजन' का दिखा ट्रेलर... फिल्म का पोस्टर किया रिलीज़

ओह माई गॉड एवं 102 नॉट आउट के निर्देशक उमेश शुक्ला के निर्देशन में बनी है यह फिल्म

डायमण्ड हॉल में देशभर से आए 20,000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में फिल्म 'नवसृजन' का पोस्टर रिलीज़

शांतिवन में बाबा का कमरा, तपस्या धाम, आनंद सरोवर, मानसरोवर व मनमोहिनीवन का बाबा का कमरा सुंदर फूलों से सजाया गया

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 55वां पुण्य स्मृति दिवस विश्व बंधुत्व के रूप में मनाया गया। देशभर से 20 हज़ार से ज़्यादा लोग शामिल हुए।

इस मौके पर विशाल डायमण्ड हॉल में ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर बन रही फिल्म 'नवसृजन' का ट्रेलर दिखाया गया तथा फिल्म का पोस्टर रिलीज़ किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर भाई, अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय भाई के कर कमलों से इसे रिलीज़ किया गया। ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि बाबा का यह संदेश था कि परमात्मा के हर बच्चे तक बाबा का संदेश पहुंचे। फिल्म प्रॉड्यूसर ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि इस फिल्म को दादी प्रकाशमणि विज़डम पार्क में दिखाया जाएगा। जिससे आने वाले सभी पर्यटकों को परमात्म का संदेश मिलेगा। ब्र.कु. मुन्नी दीदी, मीडिया प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा भाई व ज्ञानामृत के संपादक ब्र.कु. आत्म प्रकाश भाई ने भी विचार रखे।

फिल्म को बनाना बड़ी चुनौती थी। बाबा की शक्ति से ही सब सम्भव हो पाया। मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही यह फिल्म आप सबके बीच आएगी जिससे बाबा की यादों को ताज़ा कर सकेंगे
- उमेश शुक्ला,फिल्म निर्देशक।

इस फिल्म से बाबा की प्रत्यक्षता होगी- राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़।

डायमण्ड हॉल में 'नवसृजन' फिल्म का पोस्टर रिलीज़ करते हुए दादी रतनमोहिनी व अन्य...

- फिल्म में ब्रह्मा बाबा का किरदार धर्मेन्द्र गोहिल तथा अनंग देसाई ने निभाया है।
- म्यूज़िक अमेरिका के सुप्रसिद्ध ग्रेमी अवॉर्ड से विभूषित रिक्की केज ने दिया है।

ब्रेक को पॉवरफुल बनायें

व्यक्ति परखने में बहुत होशियार होता है। कोई भी गलती होती है जो नीति प्रमाण नहीं है, तो समझते हैं कि यह नहीं करना चाहिए, यह सत्य नहीं है, यथार्थ नहीं है, अयथार्थ है, व्यर्थ है। ये समझते भी हैं लेकिन समझते हुए फिर भी करते तो हैं ना! तो इसको क्या कहेंगे? सोचो ज़रा... यह हर व्यक्ति से होता है। किस ओर हम जा रहे हैं, कैसा हमारा व्यक्तित्व बन रहा है...!!!

अगर इस तरह का हमसे हो रहा है तो कौन-सी शक्ति की कमी है? जैसे आजकल कार चलाते हैं, देख भी रहे हैं कि एक्सीडेंट होने की सम्भावना है, ब्रेक लगाने की कोशिश करते हैं, लेकिन ब्रेक लगे ही नहीं तो ज़रूर एक्सीडेंट होगा ना! ब्रेक है लेकिन पॉवरफुल नहीं है और यहाँ के बजाय वहाँ लग गई तो भी क्या होगा? इतना समय तो परवश होंगे ना! चाहते हुए भी कर नहीं पाते। ब्रेक लगा नहीं सकते या ब्रेक पॉवरफुल न होने के कारण ठीक लग नहीं सकती! तो यह चेक करने की ज़रूरत है।

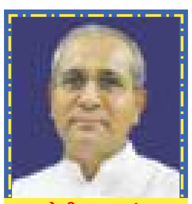

राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर

जब ऊंची पहाड़ी पर चढ़ते हैं तो क्या लिखा हुआ होता है कि ब्रेक चेक करें। क्योंकि ब्रेक सेफ्टी का साधन है। तो कन्ट्रोलिंग पॉवर का या ब्रेक लगाने का अर्थ यह नहीं कि लगाओ यहाँ और लगे वहाँ। कोई व्यर्थ को कन्ट्रोल करना चाहते हैं, समझते हैं, यह रॉन्ग है तो उसी समय रॉन्ग को राइट में परिवर्तन होना चाहिए। इसको कहा जाता है कन्ट्रोलिंग पॉवर। ऐसे नहीं कि सोच भी रहे हैं लेकिन आधा घंटा व्यर्थ चला जाये सोचने-सोचने में, पीछे कन्ट्रोल में आये। बहुत पुरूषार्थ करके आधे घंटे के बाद परिवर्तन हुआ तो उसको कन्ट्रोलिंग पॉवर नहीं, रूलिंग पॉवर नहीं कहा जाता। यह हुआ थोड़ा-थोड़ा अधीन और थोड़ा-थोड़ा अधिकारी- मिक्स। तो इसको राज्य अधिकारी कहेंगे या पुरूषार्थी कहेंगे? तो अब पुरूषार्थी नहीं राज्य अधिकारी बनो। इस स्वराज्य अधिकार का श्रेष्ठ मज़ा है।

अभी समय है स्वराज्य अधिकारी बनने का। सु-राज्य माना सदा मौज में रहना। मौज में रहने वाला कभी मूंझता नहीं है। अगर मूंझना है तो मौज नहीं है। इस संगमयुग पर मौज ही मौज है ना! अभी भी- कभी मौज, कभी मूंझना।

हमें अपने जीवन के हर पल को जीना है। माना स्वयं के राज्य की मौज में रहना है। थोड़ी बहुत कमी रह भी जाती है तो उसे उसी वक्त ठीक कर मौज में रहने की आदत बनायें, न कि मूंझते रहें। मौज वाले महान बन जायेंगे और मूंझने वाले वहाँ भरी ढोयेंगे।

समझते हो कि यह ठीक नहीं है, यह नहीं होना चाहिए, ऐसा होना चाहिए - तो उसी वक्त ब्रेक लगायें। और ब्रेक को पॉवरफुल बनायें। हमें परमात्मा ने अपने मन को अपने लक्ष्य की तरफ ले जाने के लिए कई बातें बताई हैं। बाबा कहते तुम ही विश्व के मालिक थे। विश्व पर आपका ही राज्य था। आपने ही इस धरा पर अनेक बार राज्य किया है। इस स्मृति को सामने लाओ और अपने मन में विचार करो और बुद्धि रूपी यंत्र से उसे निहारो। ऐसा बार-बार स्मृति में लाने पर और बुद्धि नेत्र से देखने से ये अनुभूति होगी, आपको एहसास होगा कि वास्तव में बाबा जो कहता है वो मैं हूँ और ऐसा विश्वास अपने आप में बढ़ेगा। और आप में वो सारी शक्तियां इमर्ज होंगी। और आप अपने को शक्तिशाली महसूस करेंगे। तो इस तरह अपने आपको बाबा ने जो बातें कही उन बातों को स्मृति में लाकर उस स्थिति में स्थित कर अपने को शक्तिशाली बनाना। तभी हम आने वाले समय में स्वराज्य के अधिकारी बनेंगे। अब हमारा राज्य आया की आया।

कर्म बड़े या कर्म के खाते को भस्म करने वाला बड़ा... !!!

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी

हरेक के अनेक जन्मों के अनेक हिसाब-किताब हैं, अपने कर्मों को नहीं कूटो लेकिन एक तरफ रखो कर्म, एक तरफ बाबा फिर वर्णन करो भारी कौन? कर्म! कर्म बड़े या कर्म के खाते को भस्म करने वाला बड़ा! कर्मों से बचने वाले ने हमारी जवाबदारी स्वयं के हाथ में ले ली। उसने कहा तू मेरी ऊंगली पकड़ों मैं तुम्हारे सब पाप दग्ध कर दूँगा, यह ज़िम्मेवारी उसने ली।

जब मैं किसी के मुख से सुनती हूँ कहते हैं बाबा आप शक्ति देना... मैं कहती शक्ति भी क्यों मांगते! क्या मेरे मांगने से वह देगा! हम मांगने वाले भक्त नहीं हम तो अधिकारी बच्चे हैं। अधिकारी बच्चों के मुख से जब ऐसे बोल निकलते तो मैं यह बोल कानों से सुनना नहीं चाहती। अरे लुटाने वाला कहता तू लूट... जितना चाहे उतना लूट। जितना लूटेंगे-लुटायेंगे उतना भरतू होते जायेंगे। वह सागर है, कोई तालाब नहीं जो सूख जायेगा। ऐसा निरन्तर खुद को स्वमान में रखो, नशे में रहो तो स्थिति कभी डगमग नहीं होगी।

बाबा ने हम बच्चों पर चोटी से पाँव तक ऐसा वरदान का हाथ फेर दिया जो हमें कोई हिला नहीं सकता। सिर्फ दिल से गीत गाओ - मुझे तो मिल गया - कौन? प्यारा बाबा। जितने दिल से, जिगर से रूहरिहान कर सकते, खुशी में झूल सकते उतना झूलो - यही हमारे जीवन की लॉटरी है। कोई कहते मुझे यहाँ बहुत प्यार मिला, आनन्द मिला, अच्छा योग लगा... मैं कहती बस हम उसकी दिल को सच्चा नहीं मानती। अरे दिल, जिगर से यह बोल निकले कि मेरा बाबा मुझे मिल गया। आप नये-नये फूलों को तो बाबा कह उसके प्यार में डूब जाना चाहिए। एक भौंरा भी फूल के पीछे फिदा हो जाता, उसमें छिप जाता तो खुद से पूछो हमें फूल बनाने वाला बाप, उस पर मैं भौंरे की तरह फिदा हूँ। दीवानी हूँ, मर गई हूँ, मिट गई हूँ या फिदा हूँ?

हमारा बाबा है जादूगर... हमें उस जादूगर की जादूगरी पर फिदा हो जाना है। सचमुच उसने हमें अपना जादू लगा दिया... मैं कहती शल ऐसा जादू तो सबको लगे इससे कोई जुदा न रह जाए। यह जादू एक-एक पर लगे तो अहो भाग्य। भगवान का जादू लगे इनसे बड़ी दुनिया में कोई चीज़ नहीं।

आप सब अपने पास एक तराजू रखो- उस तराजू में एक तरफ रखो बाबा, दूसरे तरफ अपने जन्मों का, कर्मों का बन्धन... हरेक के अनेक जन्मों के अनेक हिसाब-किताब हैं, अपने कर्मों को नहीं कूटो लेकिन एक तरफ रखो कर्म, एक तरफ बाबा फिर वर्णन करो भारी कौन? कर्म! कर्म बड़े या कर्म के खाते को भस्म करने वाला बड़ा! कर्मों से बचाने वाले ने हमारी जवाबदारी स्वयं के हाथ में ले ली।

उसने कहा तू मेरी ऊंगली पकड़ों मैं तुम्हारे सब पाप दग्ध कर दूँगा, यह ज़िम्मेवारी उसने ली। जब ज़िम्मेवार ने हमारी ज़िम्मेवारी ली तो हमारा दिल दिमाग, यह अंग सब शीतल हो गये। भगवान हम बच्चों से वायदा करता- वह अपना वायदा निभा रहा है फिर हम अपनी फुल जवाबदारी उसके हाथ में देकर हल्के क्यों नहीं होते! हल्के बनो तो फरिश्ते बनो।

बार-बार अशरीरी बनने की ड्रील - अन्तिम पेपर की तैयारी

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी

संगमयुग का जो अन्तिम काल है, उस समय की हमको क्या तैयारी करनी है? उसकी तैयारी कर ली है या करनी है? अन्तिम समय के हिसाब से बाबा ने दो शब्द कहे हैं- एक तो अचानक होना है और एवररेडी रहना है। तो सबको ये दो शब्द याद रहते हैं ना? कभी भी बुलावा हो सकता है नेक्स्ट जन्म के लिए। इसीलिए बाबा ने अचानक के लिए कई बातें सुनाई हैं। जैसे आप अपनी हर घड़ी अन्तिम घड़ी समझो क्योंकि सेकण्ड में क्या से क्या भी हो सकता है। इसलिए ऐसे समय पर नष्टोमोहा भी रहो और स्मृति स्वरूप भी रहो। तो अन्तिम पेपर में पास होने के लिए, अभी से ही हमको क्या लक्ष्य रखना चाहिए, उसकी योजना अभी से बना लेना चाहिए क्योंकि सेकण्ड का पेपर होना है। सेकण्ड में क्या से क्या भी हो सकता है इसीलिए बाबा कहते अभी से अशरीरी भव का अभ्यास करना क्योंकि अन्त हमारी श्रेष्ठ हो उसके लिए अशरीरी भव का अभ्यास बहुत ज़रूरी है। यह मन चारों ओर के दृश्य देख करके विचलित होगा लेकिन इस मन को कन्ट्रोल करना, मन की रूलिंग पॉवर हमारे हाथ में हो तो रूल करना, कन्ट्रोल करना, यह अभ्यास हो तब एक सेकण्ड में अशरीरी हो सकेंगे। कोई भी आकर्षण हमें खींचे नहीं तभी हम पास विद ऑनर होंगे। तो सेकण्ड में अशरीरी बनने का अभ्यास हमको अभी से करना पड़ेगा।

हम जिस बात को नहीं चाहते हैं वो होता तो है यह सबके जीवन का अनुभव है। हम समझते हैं यह नहीं हो, कम से कम वेस्ट थॉट जो चलते हैं, उसके लिए भी सभी अभ्यास करते हैं कि व्यर्थ विचार नहीं आने चाहिए। लेकिन फिर भी आ ही जाते हैं, भिन्न-भिन्न रूप से माया आ जाती है, जो चाहते नहीं है लेकिन आ जाती है, तो न चाहते भी क्यों आती है? कारण है बहुतकाल से बॉडी कॉन्शियस में रहने का अभ्यास जो नैचुरल है वो विघ्न डालता है। तो यह अशरीरी बनने का अभ्यास अगर हम बहुतकाल से नहीं करेंगे तो बहुतकाल की मदद हमको नहीं मिलेगी।

तो बाबा कहते हैं मन के मालिक बनके बार-बार शरीर के भान से परे अशरीरी रहने का अभ्यास बहुतकाल का आवश्यक है। इसलिए इस बारी बाबा ने यह 5 स्वरूपों का अभ्यास बीच-बीच में बार-बार करने का होमवर्क दिया है। बार-बार नहीं तो कम से कम 8 बारी तो ड्रिल करने का होमवर्क दिया है क्योंकि बार-बार करने से ड्रिल का लिंक जुटा रहता है। अगर एक ही बारी आपने 4-5 बारी करके अपना काम पूरा कर दिया, अब जो किया वो तो अच्छा है रिज़ल्ट तो उस समय अच्छी होगी। लेकिन सारे दिन का आपका निरंतर लिंक रहे, वो नहीं रहेगा। तो लिंक के लिए बाबा ने अलग-अलग टाइम 8 बारी करने का कहा क्योंकि अगर कोई भी चीज़ का लिंक टूट जाता है और उसे फिर जोड़ा जाता है तो उसमें फर्क हो जाता है। लेकिन लिंक जुटा ही रहे तो वो ताकत एक और होती है। इसलिए बाबा ने 8 बारी यह अभ्यास करने का कहा है।

तो आत्मा रूप में स्थित होने की बाबा ने बहुत अच्छी एक युक्ति सुनाई है कि करावनहार की स्मृति से इन कर्मेन्द्रियों से काम लेंगे तो मालिकपने का नशा रहेगा, खुशी रहेगी। तो मैं आत्मा करनहार हूँ, तो मन-बुद्धि-संस्कार यह भी मेरे हैं, मैं नहीं हूँ। मैं शिवबाबा के नयनों का तारा हूँ, मैं शिवबाबा के दिलतख्त पर बैठने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ या मैं आत्मा परमधाम की यात्रा में जा रही हूँ, इस प्रकार से जो भी स्वमान बाबा देते हैं, उस स्वमान के स्वरूप अनुसार हमारी स्मृति बनी रहे तो वो शक्तिशाली स्थिति का अनुभव करायेगी।

राजयोगिनी दादी जानकी जी

अगर सत्यता नहीं तो साहेब राज़ी नहीं

चिन्तन शुद्ध श्रेष्ठ हो, स्व को अन्दर से समझकर बाबा को सामने रखकर, जिस दृष्टि से बाबा देख रहा है, उसी दृष्टि से मैं देखूं। बाकी यहाँ क्या हो रहा है उसको देखने की ज़रूरत ही नहीं है। जैसे साकार बाबा को देखा है। हम बच्चों को माँ-बाप के रूप में पालना दी है। शिवबाबा ने साकार बाबा के द्वारा माँ-बाप, सखा बनके कान में शिक्षा दी है, जो हर पल याद आती है, बाबा ने इशारा दिया है ये तुम नहीं कर सकती हो।

जैसे बाबा ने आदि से आदत डाली है, इशारों से समझाया ना! आवाज़ में क्या आती है। जैसे बाबा की हैण्डलिंग पॉवर वंडरफुल है, वो पत्थरबुद्धि को पारस बना देता है। श्रीमत में अगर मनमत मिक्स नहीं है तो न कभी पर का प्रभाव आयेगा, न घृणा आयेगी। हम इतने पवित्र बनें जो पावन पूज्य बनें। मुझे पूजा करानी नहीं है पर लायक तो बनूं। धरती पर पाँव न हो, रॉयल्टी नहीं है। वायुमण्डल का असर कोई मेरे को न हो जाये। जब तक इधर-उधर देखने की आदत है, 'हू एम आय' भुला हुआ है। इधर-उधर की सारी जानकारी बुद्धि में है। अगर इन्फॉर्मेशन ही अन्दर डालते रहेंगे तो अपने को कब देखेंगे! बाबा से अन्दर कम्यूनिकेशन हो नहीं सकता। कनेक्शन हो तो कम्यूनिकेशन हो। जैसे बाबा की सर्व के प्रति कल्याण भावना है। अगर उस भावना में अन्तर है तो हमारी यह महानता नहीं है।

अगर सत्यता नहीं है तो साहेब राज़ी नहीं है। बातें तो आयेंगी पर हम पार हो जायें। कैसे हुए? अरे बाबा है ना। बाबा कहता था 'लम्बे हैं जीवन के रास्ते, आओ चले हम गाते हंसते'। बाबा कहे बेफिकर बादशाह रहो, अगर हमारी शक्ल फिकर वाली हो तो फॉलो फादर नहीं है। पवित्रता फॉलो फादर करने में मदद करती है। सपूत बनके सबूत देना है।

बाबा कहता था किसकी बातों में नहीं आना, न बातें सुनना, न सुनाना। इस चक्कर में आना ही नहीं है। हमें यह शिक्षायें मिली हैं। भगवान मेरे लिए क्या चाहता है, अन्दर इतनी सच्ची दिल हो, जो ईशारा वो करता है बच्ची तुम्हारा यह काम है। इसमें हम स्वतंत्र हैं यानी किसके दबाव, प्रभाव में आकर कोई काम न कर लें। मैं आत्मा इतनी फ्री रहूं जो कोई कर्म के हिसाब-किताब के बीच में न आ जाऊं।

कोई किसी की ग्लानि करता है तो उसे बन्द करा देना, बाबा के शब्द यही हैं। तो किसी को ताकत नहीं है कि यज्ञ की, ब्राह्मणों की ग्लानि में मेरे को शामिल कर ले। हमको जो करना है वही करना है। यज्ञ बाबा का है, यज्ञ का हम खाते हैं। इतना सुन्दर ब्राह्मण परिवार है। किसी के लिए मन में ग्लानि रखना या किसकी ग्लानि करना, उसको ब्राह्मण नहीं माना जाता है।

गया-ए.पी. कॉलोनी(बिहार)। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मुलाकात के दौरान उपस्थित हैं ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. प्रतिमा बहन, राजकुमार जी तथा अन्य।

इंदौर-ज्ञानशिखर(म.प्र.)। राज्यपाल मंगू भाई पटेल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अनीता बहन व ब्र.कु. सुनीता बहन।

अनुभव

मैंने जो परमात्मा के बारे में पढ़ा व सुना... वो इन नज़रों से देखा

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि किस तरह से जगदीश भाई जी ने बाबा से मिलन मनाया, कितना बाबा ने उनको प्यार दिया, कैसे सबसे परिचित कराया और अब आगे पढ़ते हैं और जानते हैं कि फिर आगे क्या हुआ...

फिर वहाँ से उठे तो नीचे उतरे, नीचे उतरे तो कई कमरे थे उसमें। कहीं सिलाई होती थी, कहीं कुछ, कहीं कुछ तो बाबा मुझे अंगुली पकड़कर नीचे ले गए। नीचे ले जाकर बच्चे यहाँ ये होता है, बच्चे यहाँ ये होता है। एक बहन बैठी है, बच्चे ये, ये काम करती है, इसका ये नाम है। इस बहन का ये नाम है, इसकी ये विशेषता है। स्वयं साक्षात बाबा, जैसे घर में बच्चा कोई बहुत समय के बाद आता है तो मुझे भी बाबा ने जैसे मैं आ गया हूँ बहुत टाइम के बाद सिकीलधा। बाबा सबसे मिला रहा है, दिखा रहा है, पहचान करा रहा है स्वयं बाबा! उस समय लगभग सारी बहनें थीं। लगभग सारे भाई थे। साढे तीन सौ, चार सौ से थोड़े कम थे। उनमें से

मैं आके वहाँ लेटा लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी। बाबा... बाबा... मैं आ गया, बाबा के पास आ गया। बस वो सुरूर, वो नशा, वो खुशी और मेरे को नींद न आये उसमें। मैं जाग रहा था। लेटे-लेटे, लाइट-लाइट जैसे शरीर है नहीं ऐसा अनुभव कर रहा हूँ। बाबा की याद होते-होते ये मेरी स्थिति हो गई।

थी या कोई और नाम था बहुत टाइम हो गया है। मेरे ख्याल में यही नाम था। तो बाबा-मम्मा उसमें बैठे थे साथ में मनोहर दादी, कुंज बहन और एक-दो और थे, दीदी थी। हम उस समय बाबा से मिले रात का कोई टाइम था दस बजा होगा। तो बाबा ने कहा बच्चे दस बजा है आप चलो। जाओ रेस्ट करो। बाबा का आदेश हुआ तो हम लोग वहाँ से उठकर आये। अपनी-अपनी जगह पर सब चले गए। उसके पास ही जैसे हम नीचे उतरे तो शुरू में कोई छोटे-छोटे कमरे थे, उनके दरवाजे नहीं थे। उसमें पर्दा लगा हुआ था। कमरा साफ सुथरा था,चारपाई लगी हुई थी। तो वहाँ मेरे को जगह मिली हुई थी, अकेला था मैं। तो मुझे रहने को वहाँ कहा गया था।

मैं आके वहाँ लेटा लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी। बाबा... बाबा... मैं आ गया, बाबा के पास आ गया। बस वो सुरूर, वो नशा, वो खुशी और मेरे को नींद न आये उसमें। मैं जाग रहा था। लेटे-लेटे, लाइट-लाइट जैसे शरीर है नहीं ऐसा अनुभव कर रहा हूँ। बाबा की याद होते-होते ये मेरी स्थिति हो गई। और उस स्थिति में क्लाइमेक्स की एक स्टेज ये आई कि मैंने कहा बाबा..... पास में ही तो बाबा थे। और साथ में दूसरी ओर, और लोग रहते थे तो मैं तो शायद ज़ोर से बोलता, बाबा।

बाबा के बिना मैं रह नहीं सकता...

कुछेक का जो वहाँ बैठे थे उनसे परिचय कराया। वो दुनिया ही अलग थी। कैसी न्यारी दुनिया में हम आ गये। तो बाबा ने हमको सबसे परिचय कराया। जैसे मैं बहुत पुराना कोई इसी जगह का हूँ। ये सारा कुछ मेरे साथ होता गया, होता गया, ये बहुत लम्बी दास्तान है। लेकिन ये अनुभव बीच-बीच में थोड़ा बताऊंगा। उस बिल्डिंग के और अनुभव छोड़ देता हूँ।

उसके बाद हम लोग कोटा हाउस में आये। वो अभी भी है, सर्किट हाउस है वहाँ पर। उस कोटा हाउस में शिफ्ट किया बिल्डिंग को। क्योंकि भरतपुर के महाराजा ने बिल्डिंग की कोई रिपेयर नहीं कराई, बारिश आती थी, टपकता था, कई चीज़ें थीं। बाबा ने मुझे कार्य दिया, मैंने कॉरेस्पॉडेंस की विश्वकिशोर के डायरेक्शन से। कुछ लोग थे उनके परिचित उनको बीच में डाला, कुछ हुआ नहीं। आखिर हमको वहाँ से शिफ्ट होकर आना पड़ा कोटा हाउस और धोलपुर हाउस इन दो जगह पर हम गये। कोटा हाउस में मैं आया। लेकिन उससे पहले एक बात और ख्याल में आ गई है कि इस भरतपुर कोठी में जब मैं था तो इसमें एक सरदारी माल के नाम से एक जगह

लेकिन मैंने आवाज़ दबा दी। दबी आवाज़ में कहा बाबा... ताकि दूसरे कोई भागे हुए न आयें कि क्या बात है, कौन आ गया है इसके कमरे में, जगदीश भाई को क्या हुआ? बाबा... जैसे मैं बाबा के बिना रह नहीं सकता। अब उसके बिना मेरा जीवन और कुछ है नहीं। मैं उसी का हूँ और वो मेरा है। छोटा बच्चा जैसे माँ से अटैच्ड होता है। रात को सोता है तो टांग माँ के ऊपर रख के सोता है। कहीं खिसक न जाये रात को, ये मेरे काबू में रहे। चली जाती है ना कई बार बच्चे को सुला के। मेरा भी ऐसे ही था।

- क्रमशः

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के किशोर सागर सेवाकेन्द्र में श्री रामलला के दिव्य दरबार की भव्य झाँकी सजाई गई। इस कार्यक्रम में एडीएम नमः शिवाय अरजरिया, एडीजे राजेश देवलिया, जिला जज दीपक चौधरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अर्चना सिंह, नवनिर्वाचित विधायक ललिता यादव सहित, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, नगर के अनेक धार्मिक संगठन के वरिष्ठ जन व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुम्बई-घाटकोपर। ब्रह्माकुमारीज़ के योग भवन सेवाकेन्द्र में आने पर मशहूर टेलीविज़न अभिनेत्री टीना दत्ता व उनकी माँ मधुमिता दत्ता के साथ आध्यात्मिक ज्ञानचर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. निकुंज भाई,लोकप्रिय स्तंभकार व ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक। इस मौके पर राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी,ब्रह्माकुमारीज़ घाटकोपर सबज़ोन की अति. निदेशिका ने एक सदाचारी जीवन के लिए राजयोग ध्यान का अनुभव और अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

मदुरई-तमिल नाडु। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्यूरिस्ट विंग द्वारा संस्थान के सब-रिजनल रिट्रीट सेंटर शक्ति सरोवर तपोवन,अंजुकुलीपट्टी,डिंडिगुल में डॉ. अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिल नाडु, ऑल बार एसोसिएशन्स ऑफ चेन्नई हाई कोर्ट मदुरई बेंच एंड बार एसोसिएशन्स ऑफ मदुरई एंड डिंडिगुल जीटीएन लॉ कॉलेज के सहयोग से न्यायविदों के लिए आयोजित 'लीगल एथिक्स एंड प्रोफेशनल रेस्पॉन्सिबिलिटीज़ इन द डिजिटल एज' नेशनल कॉन्फ्रेन्स में जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन,जज,मद्रास हाई कोर्ट, जस्टिस बी. पुगाज़ेंडी,जज,मद्रास हाई कोर्ट, जस्टिस वी.ईश्वरैया,फॉर्मर एक्टिंग जज,आ.प्र. हाई कोर्ट, जस्टिस डॉ. एस. विमला,मेम्बर,टेम्पल ट्रस्टी कमेटी गवर्नमेंट त.ना. मेम्बर,त.ना. लॉ कमिशन(फॉर्मर), जस्टिस शत्रुघ्न पुजाहरी,चेयरपर्सन,ओडिशा ह्यूमन राइट्स कमिशन एंड रिटा. हाई कोर्ट जज, ज्यूरिस्ट विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. लता आर. अग्रवाल,माउण्ट आबू, राजयोगिनी ब्र.कु. बीना दीदी,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,त.ना. ज़ोन, डॉ. ब्र.कु. गिरीश पटेल,साइकोलॉजिस्ट,साइकैट्रिस्ट,मुम्बई सहित 100 से अधिक जज, लायर्स, लीगल एनालिस्ट्स, लॉ स्टूडेंट्स तथा अन्य मेहमान शामिल रहे।

लखनादौन-सिवनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आईटीआई में कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. समता बहन, ब्र.कु. कल्याणी बहन, ब्र.कु. शिल्पा बहन, ब्र.कु. मुकेश भाई, प्राचार्य मेश्राम जी, सभी टीचर्स स्टाफ व विद्यार्थीगण शामिल रहे।

पुणे-बाणेर(महा.)। अयोध्या में श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा समारोह का 50 फीट ऊँचा और 40 फीट चौड़ा निमंत्रण पत्र ब्रह्माकुमारीज़ के बाणेर सेवाकेन्द्र पर बनाया गया। इस निमंत्रण पत्र को इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किये जाने पर अमृता देवेंद्र फडणवीस ने डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके, डॉ. ब्र.कु. त्रिवेणी और डॉ. ब्र.कु. सुवर्णा को 'इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' का सर्टिफिकेट प्रदान किया।

रीवा-म.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रीवा में प्रथम आगमन पर उनसे स्नेह मुलाकात कर ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी एवं ब्र.कु. प्रकाश भाई।

मुम्बई-विले पार्ले। मुम्बई के रेडिसन होटल में आयोजित ब्रांड्सकाउंसिल रेटिंग्स साऊथ एशिया पैसिफिक हेल्थकेयर सम्मिट एंड बिज़नेस अवॉर्ड्स में भारत की एकमात्र मिसेस वर्ल्ड तथा सुप्रसिद्ध अभिनेत्री अदिती गोवित्रीकर के हाथों से ब्र.कु. क्रिना बहन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके उपस्थित रहे।

रतलाम-पत्रकार कॉलोनी(म.प्र.)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में इप्का कंपनी के मालिक प्रेमचंद गोधा को शुभकामनायें देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सविता बहन। साथ हैं ब्र.कु. गीता बहन व अन्य इप्का लेबोरेट्री के सदस्य।

जबलपुर-नेपियर टाउन(म.प्र.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के शिव स्मृति भवन में आयोजित राजयोग एवं दीपोत्सव कार्यक्रम में ब्र.कु. वर्षा बहन व बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे। इस मौके पर श्री राम, श्री लक्ष्मण एवं श्री सीता की चैतन्य झाँकी सजाई गई तथा 501 दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया गया।

पुणे-हडपसर(महा.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के संकेत पार्क सेवाकेन्द्र में श्री राम, श्री लक्ष्मण, श्री सीता और श्री हनुमान की चैतन्य झाँकी सजाई गई एवं धूमधाम से उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गौरी बहन व बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

भगवान का हाथ पकड़े आगे बढ़ते चलो...!!!

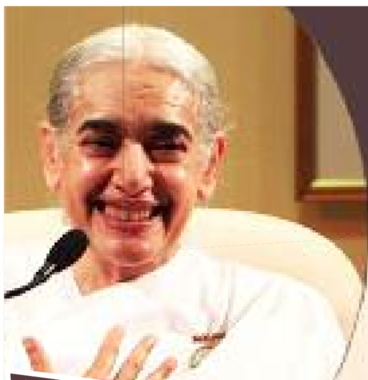

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

बाबा की एक मुरली जो चली सन्तुष्टता के ऊपर उसमें भी बाबा ने ये बात कही कि आप बच्चे जब सकाश देते हो तो उसी से ही भक्त आत्मायें भी तैयार हो रही हैं और उन्हें उस सकाश से जो अनुभव हो रहा है सुख-शांति का, वो ही उन्हों को दिल में छाप लग जाती है। जो फिर द्वापर में भक्ति की भावना लेकर, वो भावना अपनी रखते जाते हैं। तो अभी बाबा सिर्फ सेवा की बात तो क्या परन्तु भक्त तैयार करने की बात बता रहे हैं। तो मैं सोचती हूँ कि सचमुच बाबा की माला भी तैयार हो रही है, माइक सॉल्स भी तैयार हो चुके हैं, बाकी भक्तों की तो जो बाबा कहते हैं कि वो भी तैयारी हो रही है।

तो कई सीन जैसे वन्डरफुल कहानी से सामने आ रहे हैं। और उस समय भी जब वो सीन चल रही होती थी उस समय बुद्धि में तो ये बिल्कुल स्पष्ट था कि जिन्हों को आज हम दादियां कहते हैं, वो दादियां ही अष्ट रत्न हैं। कभी-कभी दादियों की आपस में चिटचैट चलती थी तो ये हमें चांस होता था हंसा बहन और मुझे, वो चिटचैट सुनने का, देखने का, तो उसमें दादी जानकी कई बार दादियों से कहती थीं बाबा अभी तक हमें बताते नहीं हैं कि अष्ट रत्न की माला में कौन हैं? तो दादी गुल्ज़ार प्यार से, मुस्कुराकर दादी को उत्तर देती थी, परन्तु ये तो मालूम है कि आप तो हो ना! उन्हों का ये मीठा उत्तर होता था। तो अष्ट रत्नों के साथ सम्बन्ध हो न सिर्फ दूर का बल्कि नज़दीक का ये भी मैं मानती हूँ कि विशेष-विशेष भाग्य है।

अष्ट रत्नों के साथ सम्बन्ध हो न सिर्फ दूर का बल्कि नज़दीक का ये भी मैं मानती हूँ कि विशेष-विशेष भाग्य है।

बहन ने बताया कि जब दादियों से पहले के दिनों की कहानियां सुनते थे, उस समय जब हम भी वो कहानियां सुनते थे तो हमें ऐसा लगता कि हो सकता हम भी उन दिनों में बाबा के साथ एक राज्य में भी थे। वो भी हमें ऐसी कई बार महसूसता होती थी। आज फिर देखते हैं कि एक निराली सीन जो हम एक्सपेक्ट नहीं करते थे लेकिन दादियों ने जितनी पालना दी, बाबा की पालना भी विशेष परन्तु वो समय अनुसार वो बचपन के दिन थे और हम लंडन में ही रहते थे तो प्रैक्टिकल उस समय कुछ अलग ही रूप रेखा थी, परन्तु बाबा ने पत्रों द्वारा, मुरलियों द्वारा और फिर साथ-साथ चंद्रहास दादा को कह दिया था कि जो मुरली टेप में रिकॉर्ड होती है हर मुरली तुमको लंडन ज़रूर भेजनी है और एक-एक में मैं समझती चार-पाँच मुरलियां होती थी। वो तब पुराने ज़माने के टेप होते थे। और हर टेप में फिर बाबा अपना याद-प्यार भी भेजते थे बच्चों को। तो मैं देखती थी कि दूर से भी बाबा ने कितनी प्यार की पालना दी परंतु आज भी किस तरह से हम वो अनुभव करें कि बाबा आज भी हमें वो पालना देकर हम सबको उड़ा रहे हैं। और मुझे लगता है कि हर बात का आधार है बाबा की मुरली।

साकार मुरलियों में बाबा अपना अनुभव सुनाते हैं, अपना पुरूषार्थ बताते हैं और साथ-साथ बच्चों को हिम्मत दिलाने के लिए खुद के लिए भी कहते हैं बच्चे क्या बड़ी बात है माया तो आती है ना। माया तो मेरे पास भी आती है। परंतु हम सोचें कि आदि देव ब्रह्मा बाबा प्रजापिता ब्रह्मा उनके सामने माया तो एक चिंटी के समान आती होगी। परंतु बाबा हम बच्चों को इतनी नम्रता से, इतने प्यार से कहते बच्चे कोई बात नहीं, बच्चे आप शिव बाबा को याद करते रहो, बाबा का हाथ पकड़ते रहो और आगे बढ़ते चलो।

मुम्बई-मुलुंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा न्यू होराइज़न स्कूल,घोड़बंदर,मुलुंड में 'उलझन से उत्साह की ओर' विषयक सार्वजनिक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रसिद्ध जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन। कार्यक्रम में राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. गोदावरी दीदी, डॉ. ब्र.कु. लाजवंती दीदी, संजय केलकर,एमएलए,ठाणे, कैप्टन मिलन कुमार,कमांडिंग ऑफिसर,नेवल बेस, रितुपर्णा बनर्जी,प्रेसिडेंट,न्यू होराइज़न एजुकेशन सोसायटी, नरेश मनेरा,पूर्व डिप्टी मेयर,ठाणे, निलेश साम्बरे,फाउण्डर,जिजाऊ शैक्षणिक संस्था, नारायण बबलानी,डायरेक्टर,एक्सप्रेसिबल एलएलपी, डॉ. ज्योति नायर,रिजनल डायरेक्टर,न्यू होराइज़न स्कूल, मनोज गुरसहानी,ऑथर एंड टीईडी स्पीकर, दीपक मेजारी,प्रेसिडेंट,मीडोज़ फेडरेशन, कनक कथुरिया,मास्टर शेफ,इंडिया, मिलिंद बल्लाल,एडिटर,ठाणे वैभव, श्रीमती रेवती श्रीनिवासन,डायरेक्टर एंड प्रिंसिपल,सिंघानिया स्कूल, कृष्णन राजामणि,सीनियर डायरेक्टर,कैपजेमिनी, धर्मु वंजानी,सीईओ नाटू प्लास्टिक्स, जीतेन्द्र परदेसी,डिप्टी सुपरिंटेंडेंट,गार्डेन डिपार्टमेंट,बीएमसी, अशोक जगियासी,प्रसिद्ध व्यवसायी, घोड़बंदर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हर्षा बहन तथा हज़ारों की संख्या में शहर के लोग शामिल रहे।

राजनांदगांव-छ.ग.। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं जन शिक्षण संस्थान राजनांदगांव के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय विद्यालय डेटेसरा में छात्राओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ब्र.कु. प्रभा बहन व ब्र.कु. पूजा बहन।

शेगांव-महा.। सतीश देशमुख,बी.डी.ओ. को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. शारदा बहन। साथ हैं ब्र.कु. डॉ. राजेश भाई,एम.डी.।

बिलासपुर-रघु विहार(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिटेशन ट्रेनिंग सेंटर द्वारा सेना दिवस के अवसर पर देश के वीर जवानों के सम्मान में आयोजित भव्य समारोह में सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार, सब इंस्पेक्टर पी. शोर्नी सहित 50 जवान शामिल हुए। कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शारदा बहन, ब्र.कु. प्रगति बहन, ब्र.कु. अनुराधा बहन, मुख्य वक्ता,शिवछाया सेवा संस्थान के चेयरमैन मेडिटेशन मेमोरी ट्रेनर ब्र.कु. विकास भाई, ब्र.कु. सुभाष भाई, ब्र.कु. ज्योति बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

सारंगपुर-म.प्र.। नगर में शक्ल फूलमाली समाज के द्वारा सावित्रीबाई फुले के जन्मोत्सव के अवसर पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन, ब्र.कु. प्रीति बहन, स्थानीय स्वामी विवेकानंद कॉलेज की प्राचार्य ममता खोया तथा समस्त माली समाज जन।

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जानें....

एक-एक कर्मेन्द्रिय को चेक करो

कैसे बनें बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण

ये जो ड्रामा के अन्दर युक्ति है कि संगठित रूप में बैठकर ऐसे योग की ज्वाला जलाते हैं तो उससे ही आत्मा के अन्दर के डीप रूटेड जो संस्कार हैं उन संस्कारों को बहुत सहजता से हम परिवर्तन कर सकते हैं। नहीं तो अकेले में योग करो तो चारों ओर बुद्धि जैसे खींचती भी है और इतनी एकाग्र नहीं होती है जितना संगठन में होती है। सम्पन्नता का अनुभव बहुत सहज होता है।

समय अनुसार अब बाबा कहे कि तुम बच्चों को अब सम्पन्नता की ओर जाना है। हम सम्पन्नता के नज़दीक जा रहे हैं उसकी पहचान क्या होगी? जैसे बाबा कहते हैं कि हलवा तैयार हो जाता है तो क्या होता है वो किनारा छोड़ने लगता है। तो इसी तरह बुद्धि से हमारा भी लंगर उठना कहो या किनारा कहो माना किसी भी प्रकार की आसक्ति न रहे। कोई भी कर्मेन्द्रिय अपनी तरफ खींचे नहीं। कोई भी कर्मेन्द्रिय हमें धोखा न दे सके। ऐसी हमारे अन्दर पॉवर आ जाये।

अगर कहीं पर भी ये कर्मेन्द्रियों का आकर्षण है, लगाव है तो माना अभी तक हलवा तैयार नहीं हुआ है। स्थिति हमारी तैयार नहीं हुई है। बाबा कई बार मुरली में कहते हैं कि चेक करो कि कहीं आँखें धोखा तो नहीं दे रही है? कहीं मुख धोखा तो नहीं दे रहा है? कान कहीं धोखा तो नहीं दे रहे हैं? एक-एक कर्मेन्द्रिय को चेक करो कि न्यारी हो गई है? तैयार हो गई है? क्योंकि ऊपर उड़ना है, हमें बाबा के पास जाना है, तो इतनी सारी आसक्तियों से कर्मेन्द्रियां फ्री हो जायें।

ये मुझे अपने आप में महसूस करना है, देखना है कि हमारी बुद्धि कहीं अटकी हुई तो नहीं है। हमारी आँखें भी कितना धोखा देती हैं। कोई एक रूप से थोड़े ही धोखा देती है कि खाली नाम-रूप में फँसे उसी को थोड़े ही कहा जाता है कि आँखों ने धोखा दे दिया। कोई चीज़ देखी और मन हुआ कि चलो उठाकर खा लें। तो वो आँखों ने देखा और जिव्हा भी क्या हो गई? फँस गई, खा भी लिया। तो एक आँख कितनी इन्द्रियों को भी धोखा देने का काम करती है! इसीलिए बाबा कहते हैं कि इन आँखों से किसी को भी देखा तो कभी नफरत का भाव जाग्रत हुआ, कभी हीनता का भाव जाग्रत हुआ, कभी कौन-सा भाव जाग्रत हुआ तो देखा तब ना! क्यों देखा क्योंकि देह को देखा। अगर आत्मा को देखते तो हर आत्मा तो बाबा का बच्चा है, हम सब एक परिवार के हैं तो हीनता की भावना या नफरत की भावना के ये सब भाव समाप्त हो जायेंगे।

सम्पन्नता का दूसरा लक्षण है भरपूरता का अनुभव करना। अगर भरपूर हैं तो कहीं आँख डूब नहीं सकती है। ऐसी अन्दर की स्थिति हो

एक-एक कर्मेन्द्रिय को चेक करो कि न्यारी हो गई है? तैयार हो गई है? क्योंकि ऊपर उड़ना है, हमें बाबा के पास जाना है, तो इतनी सारी आसक्तियों से कर्मेन्द्रियां फ्री हो जायें।

सन्तुष्टता की। अगर इतना अन्दर से तृप्त है आत्मा तब कहेंगे कि हाँ सम्पन्नता के नज़दीक जा रहे हैं। अगर आत्मा अन्दर तृप्त ही नहीं है ये चाहिए, वो चाहिए, अनेक प्रकार के भाव, चाहिए... चाहिए, के अन्दर इमर्ज हो रहे हैं तो बाबा कहे वो तृप्ति, वो सन्तुष्टि नहीं है। सन्तुष्टता से बहुत दूर हैं। तो इसीलिए सम्पन्न स्थिति माना ही बाप समान स्थिति। और बाप समान स्थिति माना सरलता। सरलता आ जाती है। जितना सम्पन्न होते जाते उतना ही फ्लेक्सिबल होते जाते। जैसे चाहो वैसे मोड़ सकें अपने आपको, कहीं कोई प्रकार की देह अभिमान की अकड़न न रहे। इतने सरल रहें हम, तो सरलता ही बाबा को भी क्या? बहुत प्रिय लगती है। यही हमें सम्पन्नता की ओर ले जाती है। इसीलिए बाबा कहे अपने आप को देखो कि हम कितने सम्पन्नता के नज़दीक पहुंचे हैं। और यदि नहीं पहुंचे हैं तो क्या करेंगे? तो अपने ऊपर मेहनत करनी है।

अब समय अनुसार क्या मेहनत करेंगे? तो कम से कम बाबा अभी भी हम बच्चों को सूक्ष्म में मदद करने के लिए तैयार हैं, तो बाबा से सकाश लेना, कब? अमृतवेले। कृष्ण भी अमृतवेले पैदा होता है। लेकिन भक्तिमार्ग में कह दिया है कि वो रात को बारह बजे पैदा होते हैं, लेकिन बाबा कहते कि वो तो अमृतवेले पैदा होता है। एक नया राज़ कृष्ण के जन्म से जुड़ा हुआ, एक भविष्यवाणी आज बाबा ने बता दी कि कृष्ण कब पैदा होता है रात को बारह बजे पैदा नहीं होता, वो तो अमृतवेले पैदा होता है। - क्रमशः

बिलासपुर-छ.ग.। बी.एन.आई. व्यापार के उद्योग मेले के मुख्य अतिथि राज्य के उपमुख्यमंत्री माननीय अरुण साहू द्वारा ब्र.कु. स्वाति बहन की विशिष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए तथा समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'बीएनआई गिवर्स गेन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुशांत शुक्ला बेलतरा विधायक, किरण पाल सिंह चावला,चेयरमैन बीएनआई, गणेश अग्रवाल,मेला संयोजक आदि उपस्थित रहे।

रीवा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में नव वर्ष के शुभारंभ पर 'राजयोगी जीवन, स्वस्थ जीवन, सुखमय जीवन, प्रमुख जीवन हेतु कार्य योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम में मंनगवा क्षेत्र के विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति व उनके समर्थक, नगर निगम के पूर्व महापौर शिवेंद्र पटेल, ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, नशा मुक्त भारत अभियान के संयोजक एवं वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. प्रकाश भाई, इंदिरा नगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नम्रता बहन, नशा मुक्ति अभियान के ब्रांड एम्बेसडर ब्र.कु. दीपक तिवारी सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.)। वंदे मातरम संगठन द्वारा आयोजित विशाल शोभायात्रा में ब्रह्माकुमारीज़ को भगवान शिव का दरबार सजाने के लिए आमंत्रित किया गया। जहाँ अलग-अलग बग्गियों में विभिन्न झाँकी सजाई गई। लगभग 2 किलोमीटर लम्बी इस शोभायात्रा में हज़ारों की संख्या में शहरवासी शामिल हुए। 6 घंटे तक चली इस शोभायात्रा का बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ लिया।

नीमच-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के पावन धाम सेवाकेन्द्र में युवाओं के लिए आयोजित विशेष कार्यक्रम 'कैरियर प्रेशर एंड मेंटल हेल्थ' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बायें से ज्ञानोदय विश्व विद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती डॉ. माधुरी चौरसिया, ब्रह्माकुमारीज़ नीमच सबज़ोन के निदेशक ब्र.कु. सुरेन्द्र भाई, मुम्बई से आये प्रेरक वक्ता ब्र.कु. डॉ. ई.वी. स्वामीनाथन, सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी, शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेन्द्र डबकरा तथा लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल विवेक नागर। कार्यक्रम में 600 से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय(सीएम राइज़) में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. प्रीति बहन, प्राचार्य जीपी अग्रवाल, प्रधानाध्यापक मनीष जैन व अन्य स्टाफ सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें व विद्यार्थीगण शामिल रहे।

रीवा-झिरिया(म.प्र.)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर संस्थान के कला एवं संस्कृति प्रभाग तथा शिव क्रिएशन के संयुक्त तत्वाधान में बाल कलाकारों का स्नेह मिलन एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती विभा पटेल,पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष, समाजसेवी बुद्धिजीवी एवं संचालक प्रियेश कनोडिया, वरिष्ठ समाजसेवी पप्पू कनौजिया, ओबीसी संभागीय अध्यक्ष निलेश श्रीवास्तव, शिव क्रिएशन के डायरेक्टर शिव कुशवाहा, डॉ. ऋचा सिंह, कला एवं संस्कृति प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, ब्र.कु. दीपक तिवारी,नशा मुक्ति ब्रांड एम्बेसडर सहित अन्य गणमान्य लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। इस अवसर पर मगुरिहाई स्कूल के 50 से ज़्यादा बच्चों एवं दिव्य नगरी निराला नगर के बच्चों ने नृत्य, गायन, नशा मुक्ति नाटक आदि द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निलेश श्रीवास्तव एवं ब्र.कु. इंदु बहन ने भी गीतों की प्रस्तुति दी। सभी ने इस मौके पर नशे से मुक्त रहकर नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प भी लिया।

करेली-म.प्र.। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार भवन सेवाकेन्द्र में श्री राम दरबार की झाँकी सजाई गई तथा दीपमाला कर श्री राम का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी, ब्र.कु. रश्मि बहन, ब्र.कु. किरण बहन, ब्र.कु. अंजली बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

येवला-महा.। श्री साईनाथ इंग्लिश मीडियम स्कूल येवला में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में संस्था चालक सोमवंशी सर, प्रिंसिपल सौ. सोमवंशी मैडम तथा सभी टीचर्स व विद्यार्थियों के साथ ब्र.कु. नीता बहन व ब्र.कु. दामिनी बहन।

खजुराहो-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राजा बलवंत सिंह कॉलेज एवं सरस्वती शिशु मंदिर हाई सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. दीक्षा बहन व ब्र.कु. नीरजा बहन ने बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। इस मौके पर विद्यालय, महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण व स्टाफ मौजूद रहे।

रायपुर-छ.ग.। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपॉलिटन द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित श्रीराम बिज़नेस पार्क में आयोजित चार दिवसीय 'कॉस्मो एक्सपो-2024' में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगाई गई व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी तथा अन्य।

भिलाई से.7-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के पीस ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय मौन तपस्या कार्यक्रम 'व्यक्त से अव्यक्त की ओर' के दौरान सम्बोधित करते हुए सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई,माउण्ट आबू। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी। इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू ने भी अपने वचनों से सभी को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़, पाटन, उतई, जामगांव, बेमेतरा, दल्ली राजहरा, डौंडीलोहारा, नंदिनी अहिवारा सहित भिलाई के सभी सेवाकेन्द्रों के ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

गांधीनगर-गुज.। शहर में आयोजित वायब्रेंट गुजरात 'ग्लोबल ट्रेड शो' में प्रदर्शनी लगाने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। जिसमें संस्थान द्वारा बिज़नेस एंड इंडस्ट्री विंग की चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय महानुभावों, वीआईपीज़ की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस ग्लोबल ट्रेड शो के उद्घाटन समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ गांधीनगर सेवाकेन्द्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कैलाश दीदी को विशेष आमंत्रित किया गया।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के रेडियो मधुबन द्वारा क्यूई गांव के तलाव फली में गरीब ज़रूरतमंदों को सर्दी से बचने के लिए 240 कम्बल बांटे गए। रेडियो मधुबन स्टेशन प्रमुख ब्र.कु. यशवंत भाई व रेडियो जॉकी आरजे रमेश ने यौगिक खेती और पशुपालन पर विभिन्न उपयोगी सुझाव साझा किए। ब्र.कु. विकास भाई व ब्र.कु. धर्मपाल भाई ने नशामुक्ति के बारे में जागरुकता दी तथा सभी से नशा मुक्ति की शपथ लेने को कहा। इस मौके पर गांव के सरपंच कानाराम जी और धर्माराम जी के साथ गांव के लोग उपस्थित रहे।

बिजावर-म.प्र.। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बालिका छात्रावास शासकीय अनु जाति उत्कृष्ट कन्या छात्रावास और नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास में आयोजित विशेष कार्यक्रम में ब्र.कु. प्रीति बहन व ब्र.कु. रचना बहन ने सभी का मार्गदर्शन किया व राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में अधीक्षिका बेबी सनसिया, वार्डन रजनी सनसिया, सहायक वार्डन पुनीता सेन सहित 200 छात्राएं शामिल रहीं।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए अमरूद का उपयोग

अमरूद भारत में मिलने वाला एक साधारण फल है। लगभग अधिकांश घरों या ग्रामीण इलाकों में इसके पेड़ मिल जाते हैं। कुछ पाश्चात्य विद्वानों का कहना है कि इसे अमेरिका से यहाँ पुर्तगीज लोगों द्वारा लाया गया है तथा साथ ही साथ यह भी कहते हैं कि अमरूद का पेड़ भारत वर्ष के कई स्थानों पर जंगलों में होता है। परंतु सच यह है कि जंगली आम, केला आदि के समान इसकी उपज अत्यन्त प्राचीन काल से हमारे यहाँ होती रही है तथा यह यहाँ का ही मूल फल है। इस लेख में हम आपको अमरूद के फायदे, नुकसान और सेवन के तरीकों के बारे में विस्तार से बता रहे हैं...

सिर दर्द दूर करता है अमरूद

सूर्योदय से पहले प्रातः कच्चे हरे अमरूद को पत्थर पर घिसकर जहाँ दर्द होता है, वहाँ खूब अच्छी तरह लेप कर देने से सिर दर्द नहीं होता। अगर दर्द शुरू हो गया हो तो शांत हो जाता है। यह प्रयोग दिन में तीन-चार बार करना चाहिए।

खांसी-जुकाम से दिलाता आराम

जुकाम के पुराने रोगी, जिसका कफ न निकल रहा हो, को एक बड़ा अमरूद बीज निकालकर खिला दें और ऊपर से ताजा जल रोगी नाक बंद करके पी ले। दो-तीन दिन में ही रूका हुआ जुकाम बहकर साफ हो जायेगा। दो-तीन दिन बाद अगर स्राव रोकना हो तो 50ग्राम गुड़ रात्रि में बिना जल पीए खा लें। यदि सूखी खाँसी हो और कफ न निकलता हो तो, सुबह एक ताजे अमरूद को तोड़कर, चबा-चबा कर खाने से 2-3 दिन में लाभ होता है। अमरूद का भबका यंत्र द्वारा अर्क निकालकर उसमें शहद मिलाकर पीने से भी सूखी खाँसी में लाभ होता है। एक रिसर्च के अनुसार अमरूद की पत्तियों का सेवन जुकाम-खांसी से आराम दिलाने में सहायक होता है क्योंकि अमरूद में पाये जाने वाला विटामिन सी जुकाम और खांसी से शरीर को लड़ने में मदद करता है।

उल्टी रोकने में असरदार

अगर आपको उल्टियां हो रही हैं तो अमरूद के उपयोग से आप उल्टियां रोक सकते हैं। इसके लिए अमरूद के पत्तों का काढ़ा10 मिली पिलाने से उल्टी बंद हो जाती है।

कब्ज से छुटकारा पाने के लिए

प्रातः अमरूद को नाश्ते में काली मिर्च, काला नमक तथा अदरक के साथ खाने से बदहजमी, खट्टी डकारें, पेट फूलना तथा कब्ज का निवारण होकर भूख बढ़ने लगेगी। दोपहर खाने के समय अमरूद को खाने से आंत के दर्द तथा अतिसार में लाभ होता है। अमरूद के गुण का लाभ मिलने के लिए सही मात्रा में सेवन करना ज़रूरी होता है।

पेट दर्द में लाभकारी

पेट दर्द यदि आपको एसिडिटी के कारण है और साथ ही पेट में जलन हो रही है तो अमरूद के पत्ते का काढ़ा आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि इसमें क्षरियता का गुण पाया जाता है जोकि एसिडिटी को शांत कर पेट में आराम देता है। अमरूद का फल कब्ज के कारण होने वाले पेट दर्द में कब्ज को दूर कर आराम देता है।

हीमाग्लोबिन की कमी दूर करने में

यदि आपको हीमाग्लोबिन की कमी है तो अमरूद का सेवन फायदेमंद हो सकता है क्योंकि अमरूद में आयरन प्रचुर मात्रा में होता है।

एसिडिटी दूर करने में मददगार

अमरूद के बीज निकालकर पीसकर गुलाब जल और मिश्री मिला कर पीने से अत्यंत बढ़े हुए एसिडिटी में आराम होता है।

विशेष : अमरूद के पत्ते के फायदे को पाने के लिए पत्ते के स्वरस को पिलायें या अमरूद खाने से भांग, धतूरा आदि का नशा दूर हो जाता है।

अमरूद के नुकसान...

गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को विशेष रूप से अमरूद के ज़्यादा प्रयोग से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें ज़्यादा फाइबर होने की वजह से महिलाओं को डायरिया होने की संभावना रहती है।

इंदौर-इंद्रपुरी(म.प्र.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में राम-सीता की रंगोली बनाकर व दीप जलाकर सभी भाई-बहनों ने धूमधाम से उत्सव मनाया।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. रमा बहन, ब्र.कु. रीना बहन, ब्र.कु. रजनी बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें व शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवी मुम्बई-वाशी। सी शोअर पर व्यसन मुक्ति कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा व्यसनमुक्ति जनजागृति पथनाट्य की प्रस्तुति के पश्चात् सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शीला दीदी।

अच्छा सोचने के लिए माइंड में अच्छा भरना भी तो होगा...

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

गुस्सा हमारा स्वभाव नहीं है, गुस्सा करके हमें कभी भी अच्छा नहीं लगता। लेकिन हमने सोचा गुस्सा करके काम हो जाएगा तो खुशी मिलेगी। हमने सोचा खुशी हमें बाहर से मिलने वाली है। कुछ करेंगे तब खुशी मिलेगी। परमात्मा ने सिखाया- खुश हैं और खुश रहकर कार्य करें, तब हमें खुशी मिलेगी। ये नहीं कि ये करेंगे तो शांति मिलेगी, वो करेंगे तो खुशी मिलेगी और वो करने के लिए हम गुस्सा कर रहे थे। हम जितना गुस्सा करते जा रहे थे, हमारी खुशी दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही थी। आप कल्पना करें कि एक गिलास है जो भरा हुआ है। अब सारा दिन जीवन में चलना है, परिस्थितियों को क्रॉस करना है, सिर्फ ध्यान ये रखना है कि उसमें से थोड़ा-सा भी बाहर छलकना नहीं चाहिए। जैसा वो भरा हुआ है सुबह, वैसा ही भरा हुआ रात को होना चाहिए। जब सुबह उठते हैं तो हमारा मन एकदम तरोताजा होता है। लेकिन जैसे ही गुस्सा करना शुरू किया, दु:खी होना शुरू हुए, चिड़चिड़ा होना शुरू हुए, ये भरा हुआ गिलास धीरे-धीरे खाली होना शुरू हो जाता है। हमने सोचा था कि हम कुछ करेंगे तो गिलास भरेंगे। जबकि सीक्रेट ये था कि वह तो पहले से ही भरा हुआ था। सब कुछ करते हुए सिर्फ ध्यान ये रखना है कि गिलास में से कुछ बाहर निकले नहीं। इसका मतलब है कि हमें काम करना और करवाना है। सिर्फ गुस्सा करना अलॉउड नहीं है, अगर खुशी चाहिए तो। अगर सिर्फ मुनाफा ही चाहिए तो ज़रूर गुस्सा करना अलॉउड है।

किसी ने कहा कि हम माफ क्यों करें? किसी ने हमें धोखा दिया, किसी ने हमें दु:खी किया, हमने उसे पकड़कर रखा है। अब जितनी देर तक बात को पकड़कर रखेंगे तो उससे दर्द उनको होगा कि हमें होगा? आप मुझे कुछ कहें और मैं उस बात को पकड़कर रखूं तो इससे दर्द आपको होगा या जो पकड़े हुए है उसको होगा? बात को छोड़ने में कितना समय लगता है, छोड़ क्यों नहीं रहे हैं? क्योंकि हमने कहा उनकी गलती इतनी बड़ी थी कि माफ करना ही नहीं चाहिए। हमने सोचा था कि माफ उनको करना है। माफ उनको नहीं करना है, उनको थोड़े ही दर्द हो रहा है, उनको थोड़े ही चोट लग रही है। चोट तो मैं मार रही हूँ अपने आपको। अगर मैं मारना बंद करती हूँ तो माफ अपने आपको करती हूँ। उनको माफ करना मुश्किल है लेकिन खुद को माफ करना आसान है। उन्होंने जो किया सो किया, उनके पास इसके कुछ कारण थे। अब मैं उस बात को मन में रिपीट नहीं करूंगी, फुलस्टॉप।

> मैं आपको एक बात बताती हूँ कि आप सुबह-सुबह टीवी पर टीवी न्यूज़ चैनल न देखा करें, ये सबसे बड़ा इमोशनल टॉर्चर है स्वयं के साथ।

जब परमात्मा का ज्ञान रोज़ अंदर टप-टप पड़ता है तो सोचने का ढंग बदल जाता है। मैं आपको एक बात बताती हूँ कि आप सुबह-सुबह टीवी पर टीवी न्यूज़ चैनल न देखा करें, ये सबसे बड़ा इमोशनल टॉर्चर है स्वयं के साथ। क्योंकि उसकी इंफॉर्मेशन की क्वालिटी कैसी होती है? सुबह-सुबह हमारा माइंड एकदम क्लीन होता है और उस समय जो आप भरेंगे, उसका प्रभाव आपके सारे दिन पर पड़ेगा। क्योंकि वो इंफॉर्मेशन आत्मा का भोजन है और फिर उसी क्वालिटी की सोच सारे दिन चलती है। अगर अच्छा सोचना चाहते हैं तो माइंड में अच्छा भरना पड़ेगा। लेकिन अगर हम सुबह-सुबह यही भर देंगे यहाँ ये हुआ, वहाँ कोई एक्सीडेंट हो गया, किसी का कुछ हो गया, तो हमारे सोचने की क्वालिटी कैसी हो जाएगी?

आज ब्रह्माकुमारीज़ में आपकी तरह 9-10 लाख परिवार हैं। हम सब की तरह घर-परिवार में रहते हैं, परिवार को संभालते हैं, अपना जॉब, बिजनेस सब कुछ संभालते हैं। जो चुनौतियां, परिस्थितियां आपके सामने आती हैं, हमारे सामने भी आती हैं। हमने अपनी जीवनशैली में सिर्फ एक परिवर्तन किया है, हमने सुबह-सुबह अपने लिए एक घंटा निकाल लिया है। और उस एक घंटे में हम सुबह-सुबह सेंटर पर जाकर परमात्मा का ज्ञान भरते हैं अपने अंदर और मेडिटेशन करते हैं। बाकी तेईस घंटे बिल्कुल उसी तरह। लेकिन वो एक घंटा अपने में कुछ अच्छा भरने से सबकुछ बदल जाता है।

पन्ना-म.प्र.। राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं नवनिर्वाचित विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह को सम्मानित करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के उप सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. सीता बहन।

ग्वालियर-माधौगंज(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार भवन सेवाकेन्द्र में संस्थान के युवा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं के लिए 'रिसेट योर ब्रेन' विषय पर आयोजित सेमिनार में लश्कर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. डॉ. गुरचरण भाई, ब्र.कु. प्रहलाद भाई,राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य,युवा प्रभाग, ब्र.कु. सुरभि बहन, ब्र.कु. रोशनी बहन, ब्र.कु. पवन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में युवा भाई-बहनें शामिल रहे।

अलीराजपुर-म.प्र.। स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर ब्र.कु. नारायण भाई व ब्र.कु. माधुरी बहन को सौगात भेंट करते हुए अल्पना बारिया,प्रिंसिपल,महाविद्यालय अलीराजपुर।

दुर्ग-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के बघेरा स्थित आनंद सरोवर सेवाकेन्द्र में विशाल जन समूह को सम्बोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई,माउण्ट आबू। इस दौरान ब्र.कु. गीता बहन,माउण्ट आबू, ब्र.कु. संदीप भाई,पुणे, ब्र.कु. रीटा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. रूपाली बहन व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

राजनांदगांव-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के वरदान भवन सेवाकेन्द्र एवं आईटीबीपी के सहयोग से इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस कैम्प में जवानों के लिए आयोजित एक दिवसीय 'तनाव प्रबंधन वर्कशॉप' में ब्र.कु. प्रभा बहन, ब्र.कु. झालम भाई, विजय कुमार सहायक सेनानी,तनाव परामर्शदाता, ब्र.कु. खेमिन बहन, ओ.पी. यादव,उप महानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय बेंगलुरु, के.एस. मुरुगन सहायक सेनानी सहित आईटीबीपी के जवान उपस्थित रहे।

सूरत-कतारगाम(गुज.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कतारगाम के कम्युनिटी भवन में 1100 दीपक व 11,111 मोमबत्तियां जलाकर तथा श्रीराम-श्रीसीता व अयोध्या के श्रीराम मंदिर की सुंदर रंगोली सजाकर भव्य उत्सव मनाया गया। इस मौके पर दर्शनाबेन जरदोश, ब्र.कु. पारुल बहन तथा बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

सिंगरौली-म.प्र.। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में श्री हनुमान मंदिर समिति बैढ़न द्वारा श्रीराम शोभायात्रा के तहत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा श्री राम दरबार की चैतन्य झाँकी सजाकर जन-जन को शीघ्र ही धरा पर रामराज्य स्थापित होने का संदेश दिया गया। इस दौरान ब्र.कु. शोभा बहन व बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org

परमात्म ऊर्जा

जब कहते हो यहाँ जानना, मानना, चलना एक ही है; फिर यह अन्तर क्यों रखा है? अज्ञानियों को यह समझाते हो कि आप जानते हो हम आत्मा हैं, लेकिन मानकर चलते नहीं हो। आप भी जानते हो कि यह ईश्वरीय नियम हैं, यह नहीं हैं; जानकर फिर चलते नहीं हो तो इस स्टेज को क्या कहेंगे? पुरूषार्थी जीवन में गलती होना माफ है, ऐसे? जैसे ड्रामा की ढाल सहारा दे देती है वैसे पुरूषार्थी शब्द भी हार खाने में व असफलता प्राप्त होने में बहुत अच्छी ढाल है। अलंकारों में यह ढाल दिखाई हुई है? ऐसे को पुरूषार्थी कहेंगे? पुरूषार्थ शब्द का अर्थ क्या करते हो? इस रथ में रहते अपने को पुरूष अर्थात् आत्मा समझकर चलो, इसको कहते हैं पुरूषार्थी। तो ऐसे पुरूषार्थ करने वाला अर्थात् आत्मिक स्थिति में रहने वाला इस रथ का पुरूष अर्थात् मालिक कौन है? आत्मा ना! तो पुरूषार्थी माना अपने को रथी समझने वाला। ऐसा पुरूषार्थी कब हार नहीं खा सकता। तो पुरूषार्थ शब्द इस रीति से यूज़ न करो। हाँ, ऐसे कहो- हम पुरूषार्थहीन हो जाते हैं तब हार होती है। अगर पुरूषार्थ में ठीक लगा हुआ है तो कब हार नहीं हो सकती है। जानने और चलने में अगर अन्तर है तो ऐसी स्टेज वाले को पुरूषार्थी नहीं कहा जायेगा। पुरूषार्थी सदैव मंज़िल को सामने रखते हुए चलते हैं, वह कब रूकता नहीं। बीच-बीच में मार्ग में जो सीन आती हैं उनको देखने लगते हैं लेकिन रूकते नहीं। देखते हो व देखते हुए नहीं देखते हो? जो भी बात सामने आती है उनको देखते हो? ऐसी अवस्था में चलने वाले को पुरूषार्थी नहीं कहा जा सकता। पुरूषार्थी कब भी अपनी हिम्मत और उल्लास को छोड़ते नहीं हैं। हिम्मत, उल्लास सदा साथ है तो विजय सदैव है ही। हिम्मतहीन जब बनते हैं अथवा उल्लास के बजाय किसी न किसी प्रकार का आलस्य जब आता है तब ही हार होती है। और छोटी-सी गलती करने से लॉफुल बनने के बजाय स्वयं ही लॉ मेकर होते हुए लॉ को ब्रेक करने वाले बन जाते हैं। वह छोटी सी गलती कौन-सी है? एक मात्रा की सिर्फ गलती है। एक मात्रा के अन्तर से लॉ मेकर के बजाय लॉ को ब्रेक करने वाले बन जाते हैं। ऐसे सदा सरेन्डर रहें तो सफलतामूर्त, विजयीमूर्त बन जायेंगे। लेकिन कभी-कभी अपनी मत चला देते हैं, इसलिए हार होती है।

कथा सरिता

अपने बड़े-बुज़ुर्गों का सम्मान करें

यह कहानी है हिमाचल प्रदेश के पांगी नामक जगह की। बहुत पुरानी बात है पांगी के एक गांव में यह प्रथा थी कि वह अपने बुज़ुर्गों को घर पर नहीं रखते थे।

पूरे गांव वालों को इस प्रथा और रिवाज़ों का पालन करना पड़ता था। जैसे ही उनके घर के बड़े बुज़ुर्ग हो जाएं तो उन्हें किलटा बास्केट में उठाकर दूर पहाड़ी पर छोड़ दिया जाता था। इसी तरह यह प्रथा चलती रही। एक समय आया एक दिन हरि राम नामक आदमी अपने पिता वृषभ सिंह को छोड़ने जा रहा था।

हरि राम अपने छोटे बेटे चिंटू के साथ अपने पिता को किल्टे में रख पीठ पर उठाकर उस दूर पहाड़ी की यात्रा करने लगा। जब वह दूर पहाड़ी में पहुंचे तो वह अपने पिता को वहाँ छोड़कर वापस घर चल दिया। वह छोटा बच्चा चिंटू अपने दादा से बहुत प्यार करता था।

जब वह वापस आ ही रहे थे तो चिंटू ने अपने पिता हरि राम से कहा पिता जी आप उस किल्टे को वापस लेकर आइए। हम तो किल्टा पहाड़ी पर ही भूल आए। चिंटू के पिता हरि राम ने बहुत ही हैरानी से उसे पूछा कि किल्टा वापस क्यों लाएं? उसकी क्या ज़रूरत, तो चिंटू ने अपने पिता से कहा कि जब आप बूढ़े हो जाओगे तो आपको भी तो किल्टे की ज़रूरत पड़ेगी ना!

मैं इतनी दूर पहाड़ी में आपको कैसे लेकर आऊंगा। जब आप बूढ़े हो जाओगे आप तो चल भी नहीं पाओगे। उस समय किल्टा ही तो आपके काम आयेगा ना! उसकी यह बात सुन हरि राम का सिर चकरा गया, उसे अपने किए पर बहुत पछतावा हुआ। यह बात उसके दिल में चुभी।

उसे यह एहसास हुआ कि उसने अपने पिता के साथ बहुत गलत किया है। पर यह तो उस गांव का रिवाज़ था। अब उसने उस रिवाज़ से अलग करने की सोची। वह चुपके से अपने पिता को उसी किल्टे में रखकर वापस घर ले आया और घर पर उसने एक कमरे में अपने पिता को छुपा कर रखा ताकि कोई उसे देख ना लें। क्योंकि यह गांव की प्रथा थी कि कोई भी बुज़ुर्ग घर पर ना रहे।

अब दिन बीतते गए वह अपने पिता से बेहद प्यार करने लगा। अब कभी भी गाँव में पंचायत चर्चा चल रही हो, अन्य कोई भी फैसला लेना हो तो हरि राम के पिता उसे बहुत अच्छी सलाह दिया करते थे और वह हमेशा अपने पिता की बातों को मानकर अपने जीवन में बहुत तरक्की करने लगा।

जब भी गाँव में कोई चर्चा होती तो उसमें वह बड़ी-बड़ी समस्याओं का समझदारी से तर्क-वितर्क करता। समझदारी की बातें किया करता। जब लोग हरि राम से पूछा करते तुम ऐसी समझदारी की बातें कहाँ से लाते हो इतनी छोटी-सी उम्र में? तो वह मन ही मन मुस्कुराता और अपने पिता का धन्यवाद करता। क्योंकि वह समझदारी की बातें उसे तो केवल उसके पिता ही सीखा सकते थे।

अगर वे उन्हें वापस ना लाते तो यह बातें और जीवन की यह महत्त्वपूर्ण सीख उसे कौन देता और जीवन में होने वाली गलतियों से कौन सर्तक करता और बचाता। तो उसने गाँव वालों से यह कहा कि अगर हम अपने बुज़ुर्गों को घर से बाहर छोड़ आते हैं तो हम अपने जीवन में तरक्की नहीं कर सकते। हम अपने जीवन में गलत फैसले लेने से नहीं बच सकते। यह हमें हमारे जीवन में भारी नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

तो इसीलिए कोई भी कार्य करने से पहले अपने बड़े-बुज़ुर्गों का आशीर्वाद लें। उनसे सलाह लें क्योंकि हमारे बड़े बुज़ुर्ग तजुर्बेकार होते हैं। वह हर उस दौर से गुज़रे हैं जहाँ हम अभी गुज़र रहे हैं। उन्हें हमसे ज़्यादा अनुभव है। वह हमेशा हमें अच्छी सलाह देंगे। हमारे बड़े-बूढ़े हमेशा हमारा भला सोचते हैं कभी बुरा नहीं।

यह बात सुनकर पूरे गाँव वाले अपने बुज़ुर्गों को घर वापस ले आते हैं। पूरे गाँव में यह ऐलान किया जाता है कि आज से ये प्रथा बंद। हमें अपने बुज़ुर्गों का सम्मान करना चाहिए। जब बुढ़ापे में उन्हें हमारी ज़रूरत है तो हमें उनकी पूरी देखभाल करनी चाहिए और उनका हाथ थामना चाहिए जैसे उन्होंने बचपन में हमारा हाथ थामा था।

इंदौर-गंगोत्री विहार(म.प्र.)। नव वर्ष का शुभारंभ एवं ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. दीनानाथ बंसल जी का जन्मदिन कैंडल लाइटिंग एवं केक कटिंग कर मनाया गया। कार्यक्रम में दीनानाथ भाई के सुपुत्र उद्योगपति संतोष बंसल, बहू भारती बंसल, चार्टर्ड अकाउंटेंट सुरेश गुप्ता, भारत सिंह राठौड़, ब्र.कु. सीमा बहन, ब्र.कु. ललिता बहन सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

तिल्दा-छ.ग.। रोड सेफ्टी वीक के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट्स लि. बैकुंठपुर रायपुर लॉजिस्टिक्स डिपार्टमेंट में आयोजित कार्यक्रम को तिल्दा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रियंका बहन ने सम्बोधित किया। इस मौके पर लॉजिस्टिक्स डिपार्टमेंट के 50 ड्राइवर्स तथा अन्य ऑफिसर्स सहित ब्र.कु. गोविंद, ब्र.कु. आकाश व अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

भोपाल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के ब्लेसिंग हाउस सेवाकेन्द्र में ब्रह्मा बाबा के 55वें पुण्य स्मृति दिवस को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी सहित बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

बैंगलोर सिटी-कर्नाटक। अयोध्या में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संयुक्त तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज़ के जक्कूर रिट्रीट सेंटर पर ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में त्रिविक्रम राव,एन्टरप्रेन्योर एंड आदिशंकर फाउण्डेशन फाउण्डर, शिवम बासु,बैंगलोर उत्तर विभाग,आई.टी. कार्य सरकार्यवाह एवं श्रीजीत नायर,येलहंका खंड कार्यवाह,आरएसएस, राजयोगिनी ब्र.कु. लीला दीदी,सिटी सब-ज़ोनल हेड,ब्रह्माकुमारीज़, राजयोगिनी ब्र.कु. पवित्रा बहन,संचालिका,जक्कूर रिट्रीट सेंटर, राजयोगिनी ब्र.कु. रूपा उपाध्याय,चीफ ऑफ नर्सिंग सर्विस,ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,माउण्ट आबू, ब्र.कु. शोभा बहन एवं ब्र.कु. गीता बहन,आईटी सिटी सब-ज़ोनल रिप्रेज़ेंटेटिव सहित लगभग 200 लोग शामिल रहे। लगभग 150 लोगों ने इस मौके पर रक्तदान किया।

छतरपुर-विश्वनाथ कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शासकीय सीनियर बालिका छात्रावास 3 एवं 4 में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. रीमा बहन, ब्र.कु. मोहिनी बहन एवं ब्र.कु. सुमन बहन ने बालिकाओं का मार्गदर्शन किया एवं आंतरिक शक्ति जगाने हेतु राजयोग का अभ्यास भी कराया। इस मौके पर छात्रावास संचालिका दीपशिखा तिवारी एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

सरगुजा-म.प्र.। के.आर. टेक्निकल महाविद्यालय के सभागार में आइक्यूएसी एवं स्पोर्ट्स क्लब के द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से चलने वाले फिट इण्डिया कार्यक्रम के तहत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यशाला में ब्रह्माकुमारीज़ सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी एवं महेन्द्रगढ़ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. माधुरी दीदी ने प्रशिक्षार्थियों को मेमोरी कॉन्सन्ट्रेशन एक्टिविटीज़ कराते हुए उनका विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा, महाविद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती रीनू जैन व अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

धर्म की अति ग्लानि के समय परमात्मा का होता पुन: अवतरण: वीणा दीदी

अंतर्राष्ट्रीय गीता उत्सव के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में विशेष कार्यक्रम

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता उत्सव के उपलक्ष्य में 'क्या वर्तमान समय धर्मग्लानि और गीता के भगवान के पुनः अवतरण का समय नहीं है!' विषय पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन के संयोजक प्रकाश मिश्रा ने कहा कि वास्तव में महाभारत का युद्ध असत्य पर सत्य की जीत, आचार-विचार, व्यवहार, संस्कृति का युद्ध है। भारत पुनः विश्व गुरु कैसे बने, केवल ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा ही यह कार्य किया जा सकता है। जीवन में मूल्यों को सीखना है तो ब्रह्माकुमारीज़ के नज़दीक जाना होगा। मुख्य वक्ता, कर्नाटक हुबली से आईं राजयोगिनी ब्र.कु. वीणा दीदी ने गीता के प्रथम श्लोक 'धर्म क्षेत्रे कुरुक्षेत्रे' की विस्तार से व्याख्या करते हुए बताया कि गीता में भगवान ने स्वयं कहा है कि जब धर्म की अति ग्लानि होती है तो मुझे अवतरित होकर आना पड़ता है। तो आवश्यकता है कि अब परमात्मा के अवतरण को पहचानें और धर्म ग्लानि को भी। अब हमें अपने स्वधर्म पर टिका रहना है और एकजुट होकर कलियुग को सतयुग में बदलना है। तेलंगाना से आये ब्र.कु. त्रिनाथ भाई ने कहा कि भगवान से सदा हमारा संबंध होना चाहिए और निरंतर प्यार से उसे याद करना चाहिए। केरल से आये ब्र.कु. राधा कृष्ण भाई ने कहा कि आत्मा का परमात्मा से संबंध तभी होगा जब हम उसे पहचान जायेंगे। साथ ही उन्होंने टेक्नोलॉजी को संसार के लिये चुनौती बताया।

महिला कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती निशी गुप्ता ने कहा कि परमात्मा उन्हीं का साथ देते हैं जो सदा उन्हें याद करते हैं।

> आज धर्म का प्रचार तो हो रहा है पर समाज पर धर्म की बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा। हर व्यक्ति के मन में महाभारत चल रही है। लेकिन ब्रह्माकुमारीज़ एक ऐसी संस्था है कि इससे जुड़े हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कराहट है। यह ज्ञान केवल अर्जुन के लिये नहीं, हम सबके लिये है।
> - अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार जसवीर सिंह दुग्गल।

> जब मुझे ओम् शांति का मतलब समझ आया तो मेरे जिस्म के रोम-रोम में शांति का अनुभव होने लगा। श्री कृष्ण ने गीता के माध्यम से हम सबको रास्ता दिखाया और मोहब्बत का पाठ पढ़ाया - कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय के मास कम्युनिकेशन एवं मीडिया विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आबिद अली।

ब्रह्माकुमारीज़ की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जितना अनुशासन और दूरदर्शिता यहां देखने को मिलता है उतना कहीं नहीं। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी ने सभी महानुभावों का हृदय से धन्यवाद करते हुए अपने बहुमूल्य विचार रखे। ब्र.कु. राधा बहन ने राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई। ब्र.कु. मुकेश अग्रवाल ने मंच संचालन किया। ब्र.कु. विद्या बहन ने सभी को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नंद गोपाल शास्त्री, हरबंस सिंह औजला, एडवोकेट रणधीर सिंह, रघुवीर सिंह, डॉक्टर आर. डी. शर्मा, राजमाता आदि अनेक भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नई दिल्ली। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात कर उन्हें तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा भारी बहुमत से विजयी होने व सरकार बनाने की बधाई देने व मकर संक्रांति की शुभकामनायें देने के पश्चात् गुलदस्ता भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय भाई, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक ब्र.कु. प्रकाश भाई एवं शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका बहन। साथ ही इस मौके पर माननीय अध्यक्ष को माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया।

पवित्र गृहस्थ आश्रम जीवनशैली का संदेश- श्रीमद्भगवद् गीता

सिरसा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के धार्मिक प्रभाग एवं आनंद सरोवर सेवाकेन्द्र द्वारा 'सनातन संस्कृति की बुनियाद आध्यात्मिकता' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा, राजस्थान, पंजाब के विभिन्न सन्तों, कई धार्मिक सम्प्रदायों के प्रमुख, 105 मंदिरों के पुजारी, 15 गौशालाओं के प्रधान, 35 शास्त्री, 25 ज्योतिषाचार्य, नाथ सम्प्रदाय के अनेकों नाथ, राधा स्वामी सम्प्रदाय, ब्राह्मण समाज तथा धार्मिक संस्थानों के प्रधान, सचिव सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की जिनका ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ईश्वरीय सौगात व अंगवस्त्र भेंट कर विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महामण्डलेश्वर साध्वी ऋतम्भरा,झज्जर ने ब्रह्माकुमारीज़ की सराहना करते हुए कहा कि इस ईश्वरीय परिवार में आकर मैंने जो निश्छल प्रेम, पवित्र वायब्रेशन और अपने अलौकिक स्वरूप का दिव्य अनुभव किया है वो अविस्मरणीय है। ब्रह्माकुमारीज़ धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ ने कहा कि जीवन को दिव्य और पवित्र बनाने के लिए अपने परमपिता परमात्मा शिव से

जुड़कर सर्वशक्तियों को धारण करते हुए अपने संस्कारों को परिवर्तन करें ताकि सनातन धर्म सशक्त हो सके। विश्व हिन्दू परिषद,हिसार के विभागाध्यक्ष बृजमोहन शर्मा ने कहा कि ऐसी महान विभूतियों के सानिध्य में बैठकर हमारा वैचारिक दृष्टिकोण बदलता है। कार्यक्रम अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. बिन्दु दीदी ने कहा कि आज समय की मांग है कि अब हर व्यक्ति अपनी मौलिक जिम्मेवारी को समझे और पवित्रता की प्रतिज्ञा करे ताकि भारत भूमि पर दैवी दुनिया का सूर्योदय हो सके। कार्यक्रम में तरावड़ी के सतेन्द्र गिरी जी महाराज, माखोसरानी के नन्नू नाथ जी, ब्रह्मानंद जी महाराज,गोपाल पुरी सन्यास

- **ब्रह्माकुमारीज़ आनंद सरोवर के मंच से हुआ सर्व धर्म एकता का उद्घोष**
- **महामण्डलेश्वर साध्वी ऋतम्भरा जी सहित अनेकों सम्प्रदायों के धार्मिक प्रमुख हुए शामिल**
- **मंदिरों के पुजारियों का हुआ विशेष सम्मान**

आश्रम, श्री कृष्ण लाल जी,प्रधान राधा स्वामी डेरा रूपावास, बाल ब्रह्मचारी बाबा जनक दास जी मीरपुर, बाबा हंसराज जी टिब्बी, लक्ष्मण नाथ खारिया, आचार्य द्रोण जी, हरिकिशन गोयल,अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद, गौरव शर्मा,जिला मंत्री विश्व हिन्दू परिषद, रितेश जोशी,महासचिव श्री ब्राह्मण सभा, श्री सत्यनारायण जी महाराज,शकर मंदोरी, श्री बसन्तनाथ कल्याणी,बाबा हरिनाथ अखाड़ा माखोसरानी सहित सैंकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ब्र.कु. रामनिवास ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। ब्र.कु. रानी ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई।

देश को परिवार के आधार से देखना होगा - राजयोगिनी चक्रधारी दीदी

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति भवन द्वारा रवीन्द्र नाट्य गृह,इंदौर में 'पारिवारिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित महिला सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग की अध्यक्षा एवं रशिया की महानिदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि परिवार में बच्चों को शिक्षित होने के साथ ही वैल्यूज़ की शिक्षा भी आवश्यक है। नैतिकता का पाठ भी ज़रूरी है, इसके बिना परिवार में विवाद होते हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी देश की स्थिति को देखना हो तो उस देश में किसी परिवार को देखना चाहिए। परिवार को सशक्त बनाने के लिए आपस में प्यार होना बहुत ज़रूरी है। प्यार के वायब्रेशन जल्दी फैलते हैं। दीदी ने बताया कि

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'पारिवारिक सशक्तिकरण' महिला सम्मेलन का आयोजन

चक्रधारी दीदी ने कहा कि परिवार को सशक्त बनाने के लिए आपस में प्यार होना बहुत ज़रूरी है

आज आध्यत्मिकता के लिये सभी कहते हैं अभी उम्र ही क्या है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में सभी को, हर उम्र के व्यक्ति को आध्यत्मिकता की बहुत आवश्यकता है। इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्व विद्यालय की कुलपति डॉ. रेणु जैन, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस राठी, डॉ. ब्र.कु. आरती दीदी,ज़ोनल इंचार्ज इंदौर, बड़वानी जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटरी इंटरनेशनल बहन रितु ग्रोवर, नगर निगम सभापति मुन्नालाल यादव आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे एवं अपने बहुमूल्य विचार रखे। सुप्रसिद्ध तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्र.कु. पूनम बहन ने परिवार में खुशनुमा जीवन के लिये बहुत सुंदर राजयोग का अभ्यास कराया। महिला प्रभाग की इंदौर ज़ोन कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. विका बहन ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 1986 में यूनो ने महिला वर्ष घोषित किया था, तभी ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने महिला प्रभाग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य ही महिला को सशक्त बनाना है। अहमदाबाद से आईं गायिका ब्र.कु. डॉ. दामिनी बहन ने अपने गीतों द्वारा सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।

पहला पाठ ही स्मृति का आधार

ब्र.कु. अनुज भाई,दिल्ली

परमात्मा ने हम सभी को पहला पाठ पढ़ाया, वो क्या है, मैं कौन हूँ! ये तीन शब्द हमारे जीवन को बदल देते हैं। हमारी वृत्ति को बदल देते हैं, हमारी दृष्टि को बदल देते हैं और हमारी यादों को भी बदल देते हैं। वृत्ति का मतलब हमारा नज़रिया किस बात का कि सामने वाला जो है वो एक आत्मा है और उसके अंदर सात मूल गुण विद्यमान हैं, इसके अलावा कुछ भी नहीं। दृष्टि अर्थात् शारीरिक दृष्टि से आत्मिक दृष्टि। मतलब किसी को देख करके हमारे अंदर एक ही भाव उत्पन्न होता है चाहे वो मेल हो या फीमेल हो। क्योंकि जब हमारी दृष्टि दैहिक होती है तो काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार पैदा होता है लेकिन जब दृष्टि आत्मिक होती है तो सद्गुण ही दिखते हैं। हमारे आदि पिता प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने इन दोनों को शुरू से अभ्यास कर-कर के पक्का किया। और जब कर्म में भी आये तो आत्मिक दृष्टि-वृत्ति से ही आये। कहते हैं, जो जैसा होता है वो वैसा देखता है। तो ब्रह्मा बाबा ने उस कार्य को समझने हेतु अपने ऊपर प्रयोग किया। प्रयोग क्या किया, कि मैं कितनी देर तक अपने कार्य को आत्मा के भाव से कर रहा हूँ, दूसरे को देखकर मेरी दृष्टि-वृत्ति में क्या परिवर्तन आता है। मैं आत्मा इन पाँचों इंद्रियों की मालिक हूँ, क्या ये पाँचों इंद्रियां मेरे हिसाब से कार्य करती हैं? अगर करती हैं तो मैं मालिक हूँ, नहीं करती हैं तो मैं गुलाम हूँ।

आज हम सभी भी अपने जीवन को देखेंगे तो पायेंगे कि हम भी इन पाँचों इंद्रियों के वश हैं। आँख, कान, नाक, त्वचा और जिह्वा, ये पाँचों इंद्रियां हमसे दूसरे कर्म करवा देती है जिसमें विकार होता है। विकार माना जिसको करने के बाद आपको खुशी ज़रूर होगी लेकिन क्षणिक खुशी होगी, क्षणिक संतुष्टि मिलेगी क्योंकि वो शारीरिक भाव से किया गया कर्म है। लेकिन जब वही कार्य आत्मिक भाव से किया जाता है तो उस कर्म से जो खुशी होगी वो परमानेंट होगी। आप इसको घर में प्रयोग भी कर सकते हैं कि मेरी खुशी क्षणिक है या परमानेंट है।

आज सारे विश्व में ये सबसे बड़ी समस्या है कि सब लोग कार्य तो कर रहे हैं, धन भी कमा रहे हैं, मेहनत भी कर रहे हैं लेकिन शरीर समझकर कर रहे हैं। किंतु शरीर नश्वर है, क्षणिक है, खत्म होने वाला है, इसलिए वो खुशी भी दो मिनट में चली जाती है। हर दिन वो इसका प्रयास कर रहे हैं फिर भी असंतुष्ट हैं क्योंकि विधि सही नहीं है। एक है हम सबको इसकी जानकारी मिल जाना कि हम शरीर नहीं एक आत्मा हैं, दूसरा है उसके अनुभव में जीना। अब ये दोनों क्या है इसको समझ लेते हैं। जैसे आपको पता है कि आप एक पिता हैं और जब आपका बच्चा आपको पापा कहता है तो वो जो खुशी होती है वो अलग होती है और उसी अनुभव के आधार से आप उससे बात करते हुए कहते हैं कि मैं आपका पापा हूँ ना! आप सबके पापा तो नहीं हैं, इसलिए जब तक आप बच्चे से मिलते नहीं हैं तब तक वो भाव उमड़ता नहीं है। ऐसे ही जब हम आत्मा समझकर जीते हैं, शरीर को एक वस्त्र समझते हैं तो उस फीलिंग से कार्य करने के बाद हम फल की चिंता नहीं करते। क्योंकि मैं खुशी के लिए या प्यार के लिए या किसी चीज़ के लिए कर्म नहीं कर रहा हूँ, मैं खुशी से कर रहा हूँ, के लिए नहीं कर रहा हूँ।

जब मैं खुशी के लिए कर्म करता हूँ तो दुःखी हो जाता हूँ क्योंकि मैं शारीरिक भाव से कर्म कर रहा हूँ, किसी व्यक्ति के लिए कर्म कर रहा हूँ, उसका भाव भी शारीरिक है। मेरी बेटी है, मेरा बच्चा है। लेकिन जब आत्मिक भाव से कार्य होता है तो उसमें पहले से ही खुशी, शांति, प्रेम, पवित्रता भरी पड़ी है। तो मैं किसी से कहूं भी न, तो भी उस व्यक्ति को शांति मिलेगी, प्रेम मिलेगा, सुख मिलेगा। तो ये है आत्मिक भाव का गहरा अर्थ। इसी को सिर्फ और सिर्फ ब्रह्मा बाबा ने अभ्यास में लाया। निरंतर खुद को देखा, परखा, जाँचा कि मैं किसी फल में, किसी व्यक्ति में, किसी वस्तु में फंस तो नहीं रहा हूँ! मैं सबसे आत्मिक व्यवहार कर रहा हूँ या किसी के पद से, पोज़ीशन से, रुतबे से बात कर रहा हूँ! जब मैं आत्मिक व्यवहार करूंगा तो सामने वाले को मेरे से मिलने का, बैठने का, बात करने का मन करेगा। लेकिन जब मैं उसके कर्म से बात करूंगा तो हममें देहभान पैदा होगा। यही निरंतर अभ्यास करके ब्रह्मा बाबा अव्यक्त हुए, फरिश्ता बने। इसी को अपने जीवन का अंग बनाया। तो हम सब भी क्यों न ऐसा अभ्यास करके सबके दिलों पर राज करें, जैसा ब्रह्मा बाबा कर रहे हैं।

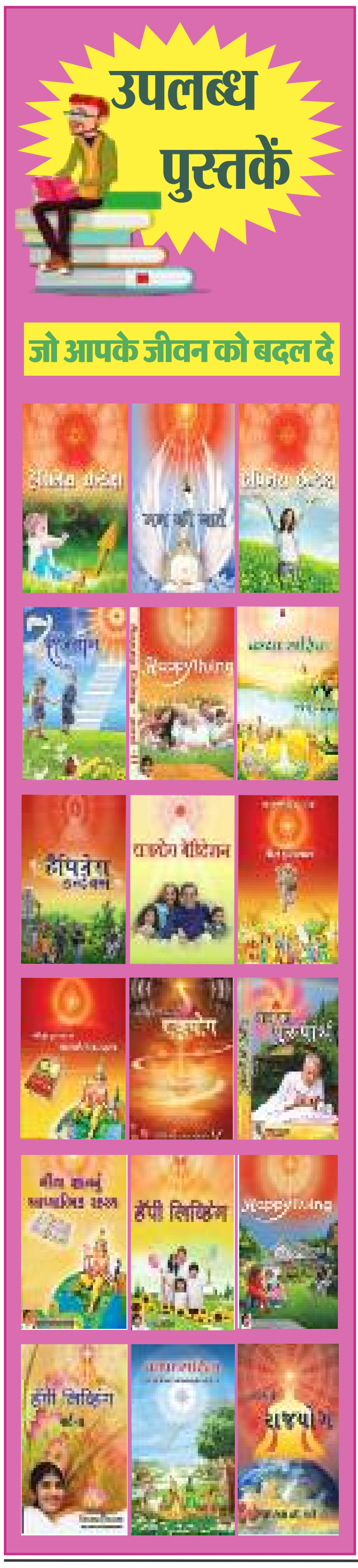

मन की बातें

- राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

प्रश्न : मैं ह्वित्व, मुम्बई बोरीवली से हूँ। मैं पीस ऑफ और माइंड और अवेकनिंग चैनल देखती हूँ और इसी के माध्यम से मैं ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़ पाई हूँ। तीन साल से मुझे रात को रोज़ भयानक सपने आते हैं। इसमें मुझे अलग-अलग लोग, अलग-अलग जगह दिखाई देते हैं, जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं देखा। ये क्या है, मुझे समझ में नहीं आ रहा है। इसलिए मैंने भगवान का नाम स्मरण करना शुरू किया, जब भी नाम स्मरण करके सोती हूँ तो और सपने भयानक आने लगते हैं और जब मैं मेडिटेशन करके सोती हूँ तो ये और ज़्यादा बढ़ जाते हैं तो इसका कारण क्या है, मेडिटेशन करने के बाद तो ये स्थिति सामान्य हो जानी चाहिए। लेकिन ऐसे भयानक सपने क्यों आते हैं?

उत्तर : कभी-कभी प्रारम्भ में मेडिटेशन जब मनुष्य करता है तो उसकी कई निगेटिव चीज़ें भी एक्टिव होने लग जाती हैं, वो निकलने लगती हैं। जैसे कई बार कोई दवा देने से, खासकर आयुर्वेद वाले ये बताते हैं कि कोई बीमारी उभर सकती है, इससे डरें नहीं। मेडिटेशन लगातार करें, मैं समझता हूँ कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि 15 दिन आप करें लगातार। सोने से पहले आधा घंटा ज़रूर करें। उसके चिंतन में नहीं, परमात्म चिंतन में। धीरे-धीरे आप पायेंगी कि जो ज़्यादा आने लगे हैं वो धीरे-धीरे माइनस की ओर जा रहे हैं। ये किसी का 15 दिन में ठीक हो जाता है और किसी का दो से तीन मास में। लेकिन ये एक कार्मिक अकाउंट पर भी डिपेंड करता है मेडिटेशन करने से हमने देखा है किसी की इम्प्युरिटी जागृत हो जाती है, कईयों के जीवन में विघ्न आने लगते हैं। कईयों को और तूफान जैसी स्थिति आ जाती है। ये ठीक हो जाता है लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है ये एक अच्छे कार्य के लिए साधनाओं के मार्ग में बाधायें तो आया करती हैं। और जो उन बाधाओं से डर कर साधना को छोड़ देता है उसकी तो छूट जाती है। लेकिन जो संकल्पधारी है और अपनी साधनाओं को कदापि छोड़ता नहीं है ये सब चीज़ें पीछे चली जाती हैं।

प्रश्न : मेरा नाम यश्विनी है और मैं पुणे से हूँ। क्या अमरत्व जैसी कोई चीज़ है? हम सुनते रहे हैं कि देवतायें अमर थे, आज भी हिमालय में कई ऐसे ऋषि हैं जिनकी आयु सैंकड़ों वर्ष है।

उत्तर : ये बिल्कुल सत्य कहा गया है कि जिसने देह लिया वो देह तो छोड़ना ही है। लम्बी आयु हो सकती है। और हमारे जो तपस्वी और ऋषि-मुनि हैं उनके पास काया को कल्पित करने की एक ऐसी विद्या होती है कि वो जड़ी-बुटियों के प्रभाव से जो शरीर पर आयु का असर आ जाता है, सब कुछ सिस्टम एकदम वीक पड़ जाता है बॉडी में तो वो उसको जैसे रिन्यू कर लेते हैं अपनी शक्तियों से, जड़ी-बुटियों से, और विभिन्न क्रियाओं से। तो ऐसे लोग थोड़ा लम्बा समय जी लेते हैं।

हमने भी सुना है कि एक त्रैलंग स्वामी थे बनारस में। जो तेलंगाना से थे इसीलिए उन्हें त्रैलंग स्वामी कहते थे। वो 300 साल जिये। और उनके पास बहुत सारी सिद्धियां थीं, उन्होंने और सारी संसार की इच्छाओं को त्याग कर दिया था, इसलिए ऐसे कुछ तपस्वी हैं।

एक योगी बाबा भी हुए जिनको लोग कहते हैं कि वो हमेशा 25 साल की आयु जैसे ही दिखते थे। 250 साल वो भी जिये। कई उनके शिष्य भी हमारे पास आये हैं जो राजयोग सीख रहे हैं, तो ये है तो सत्य लेकिन अमरत्व जो देवताओं के बारे में प्रसिद्ध है कि वो अमर थे। अमर का अर्थ ये है कि देवयुग में मृत्यु शब्द ही नहीं था। उनको कोई फीलिंग ही नहीं थी। उनकी मृत्यु तो ऐसी थी जैसे एक पुराना वस्त्र बदल कर नया लेना। उनको इसकी फीलिंग होती थी कि ये देह अब बूढ़ा हो गया है, मैं आत्मा इसे छोड़कर नये बच्चे के शरीर में प्रवेश करती हूँ। लेकिन देह तो सबको छोड़ना ही होता है। बस, यही कारण है कि देवताओं को अमर कह दिया गया। और वही स्थिति योगियों की भी बन जाती है कि इन्हें मृत्यु जैसी भासना होती नहीं है। तो उन्हें ऐसे लगता है कि ये देह छूट गया और दूसरे में चले गए। यहीं हैं, आत्मा अमर है। और जो शास्त्रों में ये कहावत ही है कि देवासुर संग्राम के समय उन्होंने मंथन किया था, उससे बहुत सारी बहुमूल्य चीज़ें निकली थीं। उसमें से एक अमृत भी था। जो देवताओं को पिला दिया गया था। इससे सभी समझते हैं कि अमृत कोई पानी की तरह होता है, घड़े में भरा और वो पिलाया गया था।

वास्तव में ज्ञान को ही अमृत कहा जाता है। जिससे मनुष्य अमर बन गया यानी उसे सद्विवेक प्राप्त हो गया। मृत्यु तो सृष्टि का नियम है। अगर लोग सदा ही जीते रहें और नये आयेंगे वो भी जीते रहेंगे तो संसार का कल्याण हो नहीं पायेगा और बहुत सारी विकृतियां इस संसार में आ जायेंगी। मनुष्य अति पीड़ित रहने लगेगा। इसलिए मृत्यु-जन्म, मृत्यु-जन्म यही चक्र चलता रहता है। रही बात अमृत की जो मनुष्य की जन्म-जन्म की इच्छा थी वो पूर्ण हो रही है। स्वयं भगवान सबके लिए अमृत लेकर ही आये हैं। प्रभु मिलन ही सबसे बड़ा अमृत है। शास्त्रों-वेदों से भी लोगों ने ज्ञान प्राप्त किया। लेकिन कोई भी सच्चा ज्ञानी बन नहीं पाया। ज्ञान उनके जीवन में नहीं आया। बल्कि बहुत लोगों को उनके ज्ञान ने अभिमानी बना दिया। भगवान ज्ञान का सत्य प्रकाश लेकर आया है उसके ही ज्ञान को ज्ञान अमृत कहा जाता है। क्योंकि भगवान की परम सत्य है। वही सत्य ज्ञान देते हैं और उसके द्वारा ही मनुष्य सबकुछ प्राप्त करता है, अपनी खोई हुई स्थिति को प्राप्त करता है। मुक्ति और जीवनमुक्ति को प्राप्त करता है। तो ये समय सभी की उस इच्छा को पूर्ण होने का भी है कि हमें कहीं से अमृत मिले और अमृतपान कराया जा रहा है। जिसको भी अमृतपान करना हो उसको परमात्मा अमृतपान करा रहा है,आ जाओ, भगवान स्वयं अमृतपान करायेंगे।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड' और 'अवेकनिंग' चैनल

बस कुछ संकल्प...

तन और मन निरोगी बनाये ये संकल्प

हम बात कर रहे हैं मानसिक रोगों के इलाज की। बिना दवाई के, स्पिरिचुअल पॉवर के द्वारा। हमारे अपने मन की शक्तियों के द्वारा, आत्मा में जो क्वालिटिज़ हैं, जो उसकी शक्तियां हैं उनको यूज़ करके हम आपके सामने आज दो बातें रखेंगे... ब्रेन को एनर्जी देना और दूसरा पानी को चार्ज करके पीना।

यदि आपने सुना हो कि पानी पर वायब्रेशन्स का क्या इफेक्ट होता है, बहुत सारे वैज्ञानिकों ने आजकल इसपर बहुत अच्छी खोज की है। पानी के गिलास को देखकर केवल इतना बोला थैंक्यू वैरी मच। तो पानी में जो क्रिस्टल बने वो कितने सुन्दर थे। और यदि पानी को देखकर विचार कर दिया हेट यू, वैरी डर्टी। तो उसमें काले क्रिस्टल बने। हमें ये याद रखना है कि पानी हमारे वायब्रेशन्स को तुरंत ग्रहण कर लेता है। इसका हमें यूज़ करना है। देखिए आप जानते हैं हमारे शरीर में, अगर नहीं जानते तो जान लें शरीर एक सुन्दर फैक्ट्री है। इसमें एक इलेक्ट्रिक करंट भी बहता है। इसमें ब्ल्ड भी बहता है, इसमें वायु भी बहती है, इसमें पानी भी बहता है और इसमें एनर्जी भी बह रही है जो मन से बह रही है। 70 प्रतिशत पानी है इस शरीर में, निरन्तर बह रहा है, चल रहा है। और मनुष्य के विचारों से वो डर्टी हो जाता है। विचारों के वायब्रेशन्स को वो तुरंत ग्रहण कर लेता है।

इसलिए आप देख सकते हैं जो लोग बहुत निगेटिव हैं, जो लोग बुरा-बुरा सोचते हैं, जिन्होंने अपनी बुद्धि में गंदगी रख ली है। जो सदैव परेशान से रहते हैं, खुश ही नहीं रहते। वो जल्दी ही बीमार हो जाते हैं। पानी डर्टी होने की वजह से खेल बिगड़ जाता है। तो हमें पानी को सुन्दर विचारों से चार्ज करना है। मैं कुछ विचार आपको दे रहा हूँ, एक विचार की चर्चा हम कर आये हैं फिर जान लें कि हम सर्वशक्तिवान की संतान हैं इसलिए हम मास्टर सर्वशक्तिवान हैं। यानी हम बहुत शक्तिशाली हैं। पानी का गिलास लो, आप उसपर दृष्टि डालो, सात बार संकल्प करो कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ या मैं बहुत शक्तिशाली हूँ। सात बार करो। वो शक्तियों के वायब्रेशन्स पानी में भर गये। फिर इसे पीना है तो आपके अन्दर का जो पानी है वो चार्ज हो जायेगा। हमने इसके प्रयोग बीमार लोगों पर और कई बीमारियों में बहुत कराये। बुखार पर तो बहुत कराये। बुखार तो बहुत जल्दी-जल्दी ठीक होने लगे, लोगों के। एक बहन को तो आठ मास बुखार चढ़ा था, डॉक्टर्स कुछ नहीं कर पा रहे थे। पानी चार्ज करके पिया तो तीन दिन में ठीक हो गया। बहुत बड़ी ताकत है पानी को चार्ज करना।

दूसरा संकल्प, कुछ बीमारियों के लिए ये संकल्प बड़ा इफेक्टिव है, मैं भगवान की संतान एक पवित्र आत्मा हूँ, आत्मा मूल रूप से पवित्र होती है। विकार तो बाद में आये इसमें। मैं पवित्र आत्मा हूँ ऐसा सात बार संकल्प करें। पानी में प्युअर वायब्रेशन बढ़ जायेंगे। फिर इसे पी लें। सिर धो लें। आप स्नान कर सकते हैं ऐसे पूरी

बाल्टी को चार्ज करके। स्किन डिजीज खत्म हुई लोगों की इससे। सफेद दाग पर भी इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। पीना भी है और लगाना भी है। अगर आपको खुशी नहीं रहती है तो आप देखो ऐसे संकल्प भर लें पानी में... मैं बहुत शक्तिशाली हूँ, मैं बहुत खुश हूँ, मैं बहुत खुशनसीब हूँ। आई एम एवर हैप्पी पर्सन। मैं बहुत शक्तिशाली हूँ। सात-आठ बार करके फिर पानी पीयें। आपकी मायूसी दूर होने लगेगी। आपकी खुशी दिनोंदिन बढ़ने लगेगी। बहुत सुन्दर रिज़ल्ट इन सबके हमने देखे हैं। क्योंकि भिन्न-भिन्न चीज़ों में इसका प्रयोग कराते रहते हैं। ज्वाइंट पेन है, अर्थराइटिस है तो पानी को चार्ज करके पीयें। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ इस संकल्प से चार्ज करके पीते रहें। संकल्प करें इस पानी को पीने से मेरा अर्थराइटिस पूरा ठीक हो जायेगा। ये संकल्प करके फिर पानी पियें। तो बहुत ही अच्छे रिज़ल्ट मिलेंगे। इसको आप अपनी नेचर बना लें। इसे अपनी दिनचर्या में जोड़ लें कि हमें जब भी पानी पीना है, चार्ज करके पीना है। जिन्होंने ईश्वरीय ज्ञान लिया और जो मेडिटेशन करते हैं उनके थॉट्स में और ज़्यादा पॉवर होती है।

आपको जल्दी रिज़ल्ट चाहिए तो 21 बार कर लें संकल्प। बस विश्वास के साथ यदि पियेंगे तो ये बहुत बड़ी दवाई का काम करेगा। दवाई आप ले रहे हैं उनको भी चार्ज कर दो। होम्योपैथी, एलोपैथी, आयुर्वेदिक जो भी दवाई आप ले रहे हैं सामने रखकर, दृष्टि देकर, एक बहुत सुन्दर संकल्प करके ये दवाईयां मेरे लिए अमृत तुल्य हैं, ये ड्राइफ्रूट हैं मेरे लिए। इनको खाने से मैं हेल्दी हो जाऊंगा। ऐसे शुभ संकल्पों से इनका सेवन करेंगे तो बहुत फायदा होगा।

दूसरी चीज़ ब्रेन को एनर्जी देना, घुटनों को एनर्जी देना, किडनी को एनर्जी देना, लिवर को एनर्जी देना बहुत गुड रिज़ल्ट इसके मिले हैं। विधि है- दोनों हाथ आप आपस में मलें अच्छी तरह से और ढीले नहीं दबा के और संकल्प करें मैं बहुत शक्तिशाली हूँ, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, तीन-चार बार करके आप चेक भी कर सकते हैं कि आपके हाथों में एनर्जी आ गई है, वायब्रेशन आ गये हैं। आप दोनों हाथों को सामने रख उनको थोड़ा खुला छोड़कर महसूस करें कि आपके हाथों में वायब्रेट हो रहा है। खिंचाव हो रहा है, अब आपके हाथ में एनर्जी आ गई। इसको अपने सिर पर रख दें, आँखें बंद कर लें। फील करें कि मेरे हाथों से एनर्जी ब्रेन को जा रही है। एक-दो मिनट रखकर रखें। जिनको हाई बीपी रहता है वो करेंगे तो नॉर्मल हो जायेगा। जिनको शुगर बहुत है वो पैनक्रियाज़ को एनर्जी देंगे। जिनको किडनी में गड़बड़ है वो किडनी को देंगे, जिनके घुटनों में है वो घुटनों को देंगे। एक-दो मिनट रखेंगे। दस मिनट सवेरे, दस मिनट शाम को। बीच में भी दे सकते हैं अगर आपको टाइम है तो।

ब्रेन हमारे सारे शरीर को कंट्रोल करता है। सेन्टर्स ब्रेन में हैं सब, शरीर को हेल्दी रखने के भी और बीमार करने के भी। आप एनर्जी देंगे ब्रेन परफैक्टली काम करने लगेगा और ये एनर्जी बहुत बड़ा काम करती है। आपको कोई बीमारी नहीं भी है तो भी आप पाँच-पाँच मिनट ब्रेन को एनर्जी अवश्य दें। बच्चे जो डल हो गये हैं, एक्टिव नहीं हैं उनको भी आप एनर्जी देंगे। आप एनर्जी देना आज से ही प्रारम्भ करें।

खजुराहो-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में श्री राम दरबार की भव्य झाँकी सजाई गई। कार्यक्रम में शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय सिंह, राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, भाजपा मंडल जिला अध्यक्ष मलखान सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष अरुण अवस्थी, नगर परिषद सीएमओ बसंत चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष विक्की बघेल, भाजपा महिला मोर्चा मयंका गौतम, रेडिसन होटल की जीएम, सीओ साहब जनपद पंचायत, तहसीलदार प्रदीप मिश्रा, श्री मतंगेश्वर सेवा समिति के अध्यक्ष सुधीर शर्मा, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष अनुपम गुप्ता, थाना प्रभारी चौबे जी, ब्र.कु. नीरजा बहन सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक व पत्रकार बंधु सम्मिलित रहे।

बेंगलुरु-बसावनगुड़ी(कर्नाटक)। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित हैं ब्र.कु. अंबिका बहन, अन्य ब्र.कु. बहनें व मातायें। कार्यक्रम में 350 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

पन्ना-म.प्र.। ग्राम जनवार में गरीब व ज़रूरतमंद भाई-बहनों को कंबल वितरित करते हुए ब्र.कु. सीता बहन।

बुलढ़ाणा-महा.। ब्रह्मा बाबा के 55वें पुण्य स्मृति दिवस को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में दैनिक सकाल न्यूज़पेपर के वरिष्ठ पत्रकार अरुण जैन, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला बहन, ब्र.कु. पूनम बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

जबलपुर-रांझी(म.प्र.)। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में राम-सीता की झाँकी सजाई गई व सभी भाई-बहनों ने मिलकर दीप जलाया।

नरसिंहपुर-म.प्र.। स्वामी विवेकानंद जी की 161वीं जन्म जयंती,राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'विश्व परिवर्तन का आधार युवा' विषय पर आयोजित परिचर्चा में महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल की प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा, सरस्वती विद्या मंदिर से आचार्य रामशंकर पटेल, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. वंदना बहन व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

रशिया-मॉस्को। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर नये वर्ष के आगमन पर राजयोगी भाई-बहनों की आध्यात्मिक उन्नति हेतु 'लाइफ इन बैलेंस' विषय पर पाँच दिवसीय रिट्रीट का आयोजन हुआ। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी, ब्र.कु. विजय भाई एवं अन्य वरिष्ठ राजयोग शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न सत्र कराये गये। मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग, नोवोसिबिर्स्क, टॉम्स्क, उरल्स्क आदि विभिन्न शहरों से भाई-बहनें इसमें शामिल हुए।

यूएसए-मिलपिटास। सिलिकॉन वैली स्थित ब्रह्माकुमारीज़ मेडिटेशन सेंटर में ब्रह्मा बाबा के पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित योग-तपस्या कार्यक्रम में ब्र.कु. कुसुम बहन व अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

रतलाम-राजीव गांधी सिविक सेंटर(म.प्र.)। ब्रह्मा बाबा के 55वें पुण्य स्मृति दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् परमात्म स्मृति में डिप्टी कलेक्टर राधा महंत, ब्र.कु. मनोरमा बहन, ब्र.कु. आरती बहन, ब्र.कु. पूजा बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

बांटवा-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विभिन्न स्कूलों सहित मारुती स्कूल,बांटवा में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मधु बहन व ब्र.कु. डॉ. सुरेजा ने अध्यापकों व विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मार्गदर्शन किया। साथ ही सभी से नशे से मुक्त रहने की प्रतिज्ञा कराई। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल जीतूभाई बोरखातारिया सहित सभी स्टाफ मौजूद रहे।

असम्भव भी संभव हो जाता है दुआओं से : ब्र.कु. शिवानी

ब्रह्माकुमारीज़ एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के संयुक्त तत्वाधान में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

'दुआओं का बैंक बैलेन्स' पर शिवानी बहन ने कहा...

- दुआ अर्थात् दूसरों के लिए सफलता हेतु कामना करना

- दुआओं के बैंक बैलेन्स में वृद्धि करने की सहज विधि है : दृढ़ता से शुभ संकल्पों की मन में बार-बार पुनरावृत्ति

इन्दौर-म.प्र.। दुआ अर्थात् मेरी सोच में दूसरों के लिए सफलता प्राप्त करने की कामना हो। आप स्वस्थ हो, निरोगी हो, बहुत अच्छे हो जैसे उच्च सकारात्मक प्रकम्पन की सोच ही दुआ है। इससे हमारी आत्मा की शक्ति बढ़ेगी तो विपरीत परिस्थिति भी परिवर्तित हो जायेगी, असम्भव भी सम्भव हो जायेगा। उक्त विचार अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने अभय खेल प्रशाल में 'दुआओं का बैंक बैलेन्स' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि दुआओं के बैंक बैलेन्स में वृद्धि करने की सहज विधि है - दृढ़ता से शुभ संकल्पों की मन में बार-बार पुनरावृत्ति करना। सोशल मीडिया की चर्चा करते हुए शिवानी बहन ने कहा कि ऐसे कंटेंट, मैसेजेस, चित्र, विडियो फॉरवर्ड न करें जिससे समाज में, व्यक्तियों में नकारात्मकता तथा वैमनस्यता फैले। इस तरह के कंटेंट को बिना खोले ही डिलीट कर देना चाहिए जिससे इनको बनाने वाले भी हतोत्साहित हो बनाना बंद कर दें तथा हम व्यर्थ व नकारात्मकता के बोझ से हल्के रहें। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी., नगर निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह तथा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के पदाधिकारियों हितेन्द्र मेहता, प्रियंका जैन आदि ने शिवानी बहन का स्वागत किया तथा रेखा जैन ने सम्मान-पत्र का वाचन कर भेंट किया। इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. हेमलता दीदी ने शब्दों से सभी का स्वागत किया। संचालन मुंबई के प्रो. ई.वी.गिरीश ने किया। ब्र.कु. युगरत्न भाई ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

- कड़कड़ाती ठण्ड में भी दीदी को सुनने सुबह 7:30 बजे ही अभय प्रशाल खचाखच भर गया

- दीदी ने आह्वान किया.. स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के साथ स्वर्णिम भारत बने

हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर में 'सकारात्मक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' सम्मेलन

आत्म-स्वीकृति और दिव्य गुणों की महसूसता से होता परिवर्तन का आरंभ

चेन्नई-तमिलनाडु। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर में प्रबंधकों, प्रशासकों, नेताओं व उनके परिवार जनों को मेडिटेशन टूल्स, स्ट्रेस रिलीफ टेक्निक्स व रिलेशनशिप गाइडेंस से परिचित कराने के लिए आयोजित 'सकारात्मक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,अध्यक्ष, प्रशासक सेवा प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि परिवर्तन आत्म-स्वीकृति और अपने आंतरिक दिव्य गुणों को महसूस करने से शुरु होता है। स्थायी परिवर्तन तभी संभव है जब हम आध्यात्मिक अभ्यास के माध्यम से प्रतिक्रियाशील पैटर्न से सक्रिय उद्देश्यपूर्णता की ओर बढ़ेंगे। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश भाई ने कहा कि हमारा प्रभाग नेताओं के लिए प्रोफेशनल एक्सीलेंस से लेकर इमोशनल बैलेंस, कैसे भी हालात में निर्णय क्षमता और स्पीरिचुअल सस्टेनेंस को कवर करने वाले समग्र कार्यक्रम बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। कलईमामणि बी.के. एस.जे. जननी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य सभी के समक्ष रखे। ब्र.कु. देवी बहन ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. बीना बहन ने संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया। ब्र.कु. उमा बहन ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। इस मौके पर दूरदर्शन के उप निदेशक कृष्णा दास, मर्चेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एलएन एसजी नटराजन, उद्यमी डॉ. एस. प्रभु, आईआरसीटीसी के वरिष्ठ प्रबंधक आनंद कुमार एवं डिज़ाइन स्कूल के अध्यक्ष ए.आर. रामनाथ आदि महानुभावों ने राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी को सम्मानित किया।

1500 से अधिक प्रबंधक, प्रशासक, नेता व उनका परिवार हुआ सम्मेलन में शामिल

'रिश्तों में सामंजस्य' विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन में ब्र.कु. स्वर्णलक्ष्मी बहन, सुधीर शेल्के,स्टेशन निदेशक,मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन कलपक्कम, वेंकट सुब्रमण्यम,प्रोग्राम एक्ज़ीक्यूटिव,डी.डी. पोधिगई चेन्नई, ब्र.कु. उमा बहन,वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका,तिरुवन्नामलाई, ब्र.कु. सीताराम मीना,आई.ए.एस.(सेवानिवृत्त)उ.प्र. आदि शामिल रहे। ब्र.कु. चित्रा बहन ने सभी से सम्मेलन में सीखी गई आध्यात्मिक आदतों को जीवन में बनाए रखने का आह्वान किया।

जीवन में मैजिक की तरह काम करता है राजयोग मेडिटेशन

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर परिसर में आयोजित ओडिशा से आए राज्य सरकार के डॉक्टर्स के लिए त्रिदिवसीय 'मैजिक ऑफ सेल्फ मैनेजमेंट' कॉन्फ्रेंस के दौरान राजयोग मेडिटेशन, मैजिक ऑफ राजयोग, हीलिंग पावर, कम्युनिकेशन स्किल्स, स्ट्रेस मैनेजमेंट आदि विषयों पर अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। इस मौके पर संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. शशि दीदी ने कहा कि जो चीज़ हल्की होती है, वही आसमान में उड़ सकती है। इसलिए यदि हम जीवन में ज़िम्मेदारियों, कार्य का बोझ लेकर जिएंगे तो जीवन से खुशी, आनंद दूर चला जाएगा। दिल्ली से आए न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. स्वप्निल गुप्ता ने कहा कि जिसे सेल्फ मैनेजमेंट की कला आ गई उसका जीवन सफलता से भरपूर हो जाता है। ओडिशा के एस.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. के निदेशक डॉ. अमरिंदरनाथ मोहंत ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन व्यक्तित्व निर्माण का कार्य कर रहा है। यहां से राजयोग मेडिटेशन सीखकर लोगों का जीवन बदल जाता है। ग्लोबल अस्पताल माउण्ट आबू के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि डॉक्टर रोज़ सैकड़ों मरीज़ों को देखते हैं। ऐसे में उनका विनम्र, अपनत्व का व्यवहार मरीज़ को ठीक होने में एनर्जी बूस्टर का काम करता है। मेडिकल विंग के कार्यकारी सचिव डॉ. बनारसी लाल ने बताया कि मेडिकल विंग मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की सेवा में पिछले 35 साल से समर्पित रूप से कार्य कर रहा है। पुरी के जी.आर.सी.सी. रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. निरूपमा दीदी ने कहा कि इस संस्थान में प्रशिक्षण लेकर व राजयोग मेडिटेशन सीखकर लाखों लोग अपना जीवन आनंदमय जी रहे हैं। राजयोगी ब्र.कु. गोकुल भाई, राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. मिली बहन, ब्र.कु. मनीषा बहन ने भी विचार रखे। संचालन दिल्ली की डॉ. रीना तोमर ने किया।

'मैजिक ऑफ सेल्फ मैनेजमेंट' त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेंस

ओडिशा राज्य सरकार के उच्च स्तरीय चिकित्सकों ने सीखा... स्ट्रेस मैनेजमेंट का तरीका

समय की पुकार... प्राकृतिक खेती बने किसानों का आधार

ब्रह्माकुमारीज़ हैप्पी विलेज-त्रंबा में किसान सम्मेलन

500 से अधिक सरपंच, कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग व किसान शामिल रहे

राजकोट-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ के हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर,त्रंबा में किसानों के लिए 'समय की पुकार... प्राकृतिक खेती बने आधार' विषयक सेमिनार में मुख्य वक्ता ब्र.कु. गीता बहन,भीनमाल,राज. ने कहा कि वर्तमान रासायनिक भोजन मानव शरीर के साथ-साथ मन को भी प्रदूषित कर रहा है। हम फसलों के साथ ज़हर भी उगा रहे हैं, इसका समाधान है - एक मज़बूत मन, स्वदेशी गाय आधारित कृषि और योगी जीवन। राजयोगी ब्र.कु. राजू भाई,उपाध्यक्ष,कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग,माउण्ट आबू ने ग्राम विकास प्रभाग द्वारा 2008 से चलाये जा रहे शाश्वत यौगिक खेती प्रोजेक्ट पर प्रकाश डालते हुए किसानों से सोच श्रेष्ठ, चरित्र ऊंचा और व्यवहार में शुद्धिकरण के साथ-साथ राजयोग के अभ्यास से फसल निर्माण को सुरक्षित एवं पौष्टिक बनाने का निवेदन किया। राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, निदेशिका,गुजरात ज़ोन,ब्रह्माकुमारीज़ ने ओम शांति के महामंत्र का अर्थ बताया कि यह हमारे स्वरूप और गुणों का प्रतीक है, शांति सभी को प्रिय है। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. वी.एन. पटेल, डीन,आर.के. एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, प्रवीणाबेन रंगानी,अध्यक्ष, राजकोट जिला पंचायत, आर.के. बोघरा,उप निदेशक, बागवानी सहित राजकोट जिले के गांवों के सरपंच व अन्य अतिथिगण मौजूद रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Feb, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org